मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 16 मार्च 2026

संवत 2082, चैत्र कृष्ण 13 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 180 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ खाड़ी तनाव की आंच भारत तक: ईंधन और गैस आपूर्ति पर चिंता

यानिक सिनर ने जीता इंडियन वेल्स 2026 का खिताब 6

धनबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एनकाउंटर में फरार प्रिंस खान के तीन गुर्गे घायल

दो को पैर में लगी गोली, तीसरे का टूटा पैर

संवाददाता

धनबादः जिले में पुलिस ने कुख्यात अपराधी प्रिंस खान के गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। भागाबांध ओपी क्षेत्र में पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में गिरोह के तीन गुर्गे घायल हो गए। इनमें से दो को गोली लगी है, जबकि एक का पैर टूट गया है। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

गुप्त सूचना के बाद पुलिस ने की घेराबंदीः पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रिंस खान गिरोह के कुछ सदस्य भागाबांध ओपी क्षेत्र में सक्रिय हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही धनबाद पुलिस ने इलाके में विशेष अभियान चलाया और संदिग्धों की तलाश शुरू की। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर संदिग्ध अपराधियों को पकड़ने की कोशिश की। इसी दौरान अपराधियों ने पुलिस को देखते ही भागने का प्रयास किया और फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में घायल हुए तीनों बदमाशः अपराधियों की फायरिंग के बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान हुई मुठभेड़ में गिरोह के तीनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस के अनुसार दो बदमाशों को गोली लगी है, जबकि तीसरा बदमाश भागने के दौरान गिरकर घायल हो गया, जिससे उसका पैर टूट गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने तीनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। फिलहाल अस्पताल में तीनों का इलाज चल रहा है।

घायल अपराधियों की हुई पहचान : पुलिस ने घायल बदमाशों की पहचान कर ली है। इनमें अमन सिंह उर्फ कुबेर, विक्की डोम और अफजल उर्फ अमन शामिल हैं। अमन सिंह उर्फ कुबेर पलामू जिले का रहने वाला बताया जा रहा है, जबकि विक्की डोम धनबाद का निवासी है। वहीं अफजल उर्फ अमन धनबाद के वासेपुर इलाके का रहने वाला है। मुठभेड़ के दौरान अफजल का पैर टूट गया है। इन अपराधियों में अमन सिंह उर्फ कुबेर, विक्की डोम और अमन सिंह उर्फ कुबेर को पैर में गोली लगी है, जबकि छत से कूदने के दौरान अफजल उर्फ अमन का पैर टूट गया।

घटनास्थल से हथियार और कारतूस बरामदः मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल की तलाशी ली। तलाशी के दौरान अपराधियों के पास से हथियार और कई जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि बरामद हथियारों की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इन हथियारों का इस्तेमाल पहले किन-किन आपराधिक घटनाओं में किया गया था।

प्रिंस खान गिरोह से जुड़े बताए जा रहे आरोपीः पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए तीनों बदमाश धनबाद के वासेपुर इलाके के कुख्यात फरार अपराधी प्रिंस खान के करीबी बताए जा रहे हैं। प्रिंस खान का नाम धनबाद में कई आपराधिक घटनाओं में सामने आ चुका है और वह लंबे समय से फरार चल रहा है। बताया जाता है कि उसका गिरोह धनबाद और आसपास के इलाकों में रंगदारी, धमकी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है।

पुलिस जुटा रही नेटवर्क की जानकारीः मुठभेड़ के बाद धनबाद पुलिस अब इन तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान प्रिंस खान गिरोह के नेटवर्क और उसके अन्य साथियों के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश भी तेज कर दी गई है। आने वाले दिनों में इस गिरोह के खिलाफ और भी कार्रवाई की जा सकती है।

दुमका के शिकारीपाड़ा में दर्दनाक सड़क हादसा

हाईवा की चपेट में आने से दो फेरीवालों की मौत, रोड जाम

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रहने वाले थे मृतक

संवाददाता

दुमकाः जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा दुमका-रामपुरहाट मुख्य सड़क पर हुआ, जहां तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। दोनों युवक पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं और इलाके में फेरी लगाकर सामान बेचने का काम किया करते थे।

मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ, जब बाइक सवार दो युवक रामपुरहाट की ओर जा रहे थे। उसी दौरान सरसडंगाल की तरफ से दुमका की ओर आ रहा एक हाईवा अचानक अनियंत्रित हो गया। अनियंत्रित वाहन ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और हाईवा की चपेट में आ गए। गंभीर चोट लगने के कारण दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवक पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान हारून शेख और बबूर अली शेख के रूप में हुई है। दोनों बेलडंगा क्षेत्र के रहने वाले थे और फेरी लगाकर विभिन्न जगहों पर सामान बेचने का काम करते थे। बताया जा रहा है कि वे किसी काम से बाइक से रामपुरहाट की ओर जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और सड़क पर भीड़ लग गई। घटना की सूचना तुरंत शिकारीपाड़ा थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार हाईवा की तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्थिति की वजह से यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ओडिशा के एससीबी मेडिकल कॉलेज में लगी आग, 10 मरीजों की मौत, 13 अन्य घायल

भुवनेश्वरः ओडिशा में कटक जिले के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के ट्रॉमा केयर आईसीयू में सोमवार को आग लगने की एक दुखद घटना में 10 मरीजों की मौत हो गई जबकि 13 अन्य मरीज घालय हो गए। जिनका वर्तमान में आईसीयू में इलाज चल रहा है। घटना के बाद मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग के साथ अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने आग लगने के कारणों की न्यायिक जांच के आदेश दिए और मृतकों के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

मोहन मांझी के अनुसार, आग लगने का कारण अस्पताल की पहली मंजिल पर स्थित ट्रॉमा केयर आईसीयू में शॉर्ट सर्किट होना माना जा रहा है। यह अस्पताल ओडिशा के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में से एक है। जानकारी के अनुसार आग बगल के आईसीयू और वार्ड में भी फैल गई। घटना के समय, ट्रॉमा केयर आईसीयू में 23 मरीजों का इलाज चल रहा था। इनमें से 10 मरीजों की अस्पताल के अन्य आईसीयू यूनिटों में स्थानांतरित करते समय मौत हो गई जबकि शेष 13 मरीजों को बचा लिया गया और उनका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी तुरंत अस्पताल पहुंचे और आग पर काबू प्राप्त किया। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

गंगा किनारे कब्जा करने वालों की अब खैर नहीं, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से मची खलबली, केंद्र से मांगा पूरा हिसाब

नई दिल्ली : पवित्र गंगा नदी के किनारों और उसके मैदानी इलाकों (फ्लड प्लेन) पर अवैध रूप से पक्के निर्माण कर कब्जा जमाने वालों पर अब सुप्रीम कोर्ट की गाज गिरने वाली है। देश की सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में बेहद सख्त रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार को एक कड़ा निर्देश जारी किया है। अदालत ने सरकार से गंगा किनारे हुए सभी अवैध निमार्णों और अतिक्रमण को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी बताने को कहा है कि इस अवैध कब्जे को हटाने और नदी के संरक्षण के लिए अब तक जमीन पर क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। इस आदेश के बाद से संबंधित विभागों और अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- अतिक्रमण हटाने में क्या है बाधा? : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस गंभीर मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से कई तीखे सवाल किए। अदालत ने पूछा कि गंगा के पुनरुद्धार और प्रबंधन से जुड़ी अधिसूचना को प्रभावी ढंग से लागू करने में अथॉरिटी के रास्ते में आखिर क्या रुकावटें आ रही हैं। पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिन-जिन राज्यों से होकर गंगा नदी बहती है, वहां की अथॉरिटी नदी की सुरक्षा के लिए क्या योजना बना रही है और यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि गंगा के किनारे हर तरह के अतिक्रमण से पूरी तरह मुक्त हों। अदालत ने माना है कि यह कोई छोटा मुद्दा नहीं है, बल्कि इसके लिए एक व्यापक और गहन जांच की सख्त जरूरत है।

डॉल्फिन के अस्तित्व पर भी मंडरा रहा भारी खतराः सुनवाई के दौरान अदालत में एक और बेहद चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील आकाश वशिष्ठ ने पीठ को बताया कि नदी के किनारों पर जिस बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमण हो रहा है, उससे जलीय जीवों पर भी भारी संकट आ गया है। उन्होंने अदालत के संज्ञान में लाया कि गंगा नदी के इन हिस्सों में बड़ी संख्या में ताजे पानी की दुर्लभ डॉल्फिन पाई जाती हैं, जिनके प्राकृतिक आवास अब खतरे में हैं। इसलिए इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने और सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है। एनजीटी के आदेश को दी गई थी चुनौती, 23 अप्रैल को अगला फैसलाः इस पूरे मामले की शुरूआत पटना के रहने वाले अशोक कुमार सिन्हा द्वारा दायर एक याचिका से हुई है। दरअसल, साल 2020 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील बाढ़ के मैदानों पर अवैध निर्माण के खिलाफ दायर उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। इसी फैसले को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सर्वोच्च अदालत ने अब गंगा बेसिन वाले कई राज्यों को नोटिस जारी कर दिया है और केंद्र से यह भी पूछा है कि अतिक्रमण हटाने के लिए उन्हें अदालत से किस तरह के विशेष निदेर्शों की जरूरत है। इस पूरे मामले की अगली और बेहद अहम सुनवाई अब 23 अप्रैल को होगी, जिस पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

नेपाल में बड़ा हादसा, भारतीय तीर्थयात्रियों की बस खाई में गिरी, 7 की मौत, कई घायल

काठमांडूः नेपाल के मध्य क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। भारतीय तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक बस गोरखा जिले में अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में सात भारतीय श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि सात अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस के अनुसार हादसा गंडकी प्रांत में उस समय हुआ जब तीर्थयात्रियों से भरी बस मनकामना मंदिर के दर्शन कर लौट रही थी। गोरखा जिले के एक पहाड़ी मार्ग पर अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं और सभी भारतीय नागरिक हैं। मृतकों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। घायल सात यात्रियों को रेस्क्यू कर आंबुखैरेनी स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बस का चालक इस हादसे में सुरक्षित बच गया, जबकि उसका सहायक घायल हो गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दर्दनाक हादसा : ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी तेज रफ्तार कार, 4 युवकों की मौत,एक घायल

लखनऊ : लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर मुरादाबाद में रामपुर की तरफ से आ रही कार ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई। सभी मृतकों की पहचान उत्तराखंड के नैनीताल जिले के निवासी के तौर पर हुई है। सोमवार सुबह मूंढापांडे क्षेत्र के मनकरा मोड़ के पासतेज रफ्तार कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद मूंढापांडे सीएचसी पहुंचाया गया।

होर्मुज पर अकेला पड़ा अमेरिका, ट्रंप का साथ देने को कोई भी तैयार नहीं

▸ चीन-ब्रिटेन से युद्धपोत भेजने को की थी अपील ▸ जापान-अवर का होर्मुज में नौसेना भेजने से इनकार

एजेंसी/नई दिल्लीः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि यूएस होर्मुज स्ट्रेट में युद्धपोत उतारने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने अन्य देशों से भी ऐसा करने की अपील की। ऐसे में चीन और ब्रिटेन ने अमेरिकी राष्ट्रपति की इस अपील पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। चीन और ब्रिटेन, दोनों ही देशों में से किसी ने भी पुष्टि नहीं की कि वे स्ट्रेट में वॉरशिप भेज रहे हैं या नहीं। वहीं जापान भी इससे पीछे हटता ही दिखा है। वॉशिंगटन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने अमेरिकी मीडिया को यह नहीं बताया कि देश इस इलाके में नेवल एसेट्स तैनात करने का प्लान बना रहा है या नहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि उम्मीद है कि चीन, फ्रांस, जापान, साउथ कोरिया, ब्रिटेन और दूसरे देश, जो इस बनावटी रुकावट से प्रभावित हैं, इस इलाके में शिप भेजेंगे, ताकि होर्मुज स्ट्रेट को अब एक ऐसे देश से खतरा न रहे, जिसका सिर पूरी तरह से खत्म हो चुका है। किसी न किसी तरह, हम जल्द ही होर्मुज स्ट्रेट को खुला, सुरक्षित और फ्री कर देंगे। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल

मीडिया पोस्ट में बड़ा दावा किया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान की योजना पूरे मध्य पूर्व पर कब्जा करने और इजरायल को पूरी तरह से नष्ट करने की थी। ईरान की ही तरह उसकी वे योजनाएं भी अब खत्म हो चुकी हैं।

आसान नहीं फैसलाः जापान ने साफ संकेत दिया है कि वह अभी होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने युद्धपोत भेजने के सवाल पर बहुत संभलकर चलना चाहता है। जापान की सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नीति प्रमुख तकायुकी कोबायाशी ने कहा कि कानूनी तौर पर संभावना से इनकार नहीं है, लेकिन मौजूदा युद्ध जैसी स्थिति में ऐसा फैसला लेना आसान नहीं होगा। उन्होंने इसे बहुत ऊंची बाधाओं वाला फैसला बताया। ट्रंप ने भले जापान का नाम लेकर उम्मीद जता दी हो, लेकिन टोक्यो अभी तुरंत नौसैनिक दखल के मूड में नहीं दिख रहा।

शांति बहाल करने में रचनात्मक भूमिका निभाएगा चीनः चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने सीएनएन को बताया कि चीन दुश्मनी को तुरंत रोकने की मांग करता है और सभी पक्षों की जिम्मेदारी है कि वे स्थिर और बिना रुकावट एनर्जी सप्लाई सुनिश्चित करें। बयान के आखिर में कहा गया, मिडल ईस्ट के देशों के एक सच्चे दोस्त और रणनीतिक साझेदार के तौर पर, चीन लड़ाई में शामिल पार्टियों समेत संबंधित पार्टियों के साथ बातचीत को मजबूत करता रहेगा और तनाव कम करने और शांति बहाल करने में एक रचनात्मक भूमिका निभाएगा।

जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर बातचीत जारीः ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि यूके अभी अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ इस इलाके में शिपिंग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई विकल्पों पर बात कर रहा है। हमने पहले ही ईरान की 100 प्रतिशत सैन्य क्षमता को खत्म कर दिया है, लेकिन उनके लिए इस वॉटरवे पर या इसमें कहीं भी एक-दो ड्रोन भेजना, माइन गिराना, या क्लोज रेंज मिसाइल गिराना आसान है, चाहे वे कितने भी बुरी तरह हार गए हों।

सबको सम्मान,अधिकार और सम्मान पेंशन देने के लिए सरकार प्रतिबद्धः सुदिव्य सोनू

मेट्रो रेज

मुरीः सबको सम्मान, सबको अधिकार और सबको सम्मान पेंशन देने के मामले में हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आंदोलनकारियों के प्रति सकारात्मक सोच रखते हैं एवं संवेदनशील हैं। 100 करोड़ की छोटी राशि सिर्फ आंदोलनकारियों के लिए आवंटन की व्यवस्था तैयार की गई है, आंदोलनकारियों के आश्रितों को सीधी नियुक्ति देने में अभी थोड़ी दिक्कतें हैं लेकिन क्षैतिज आरक्षण 5 प्रतिशत को बढाकर 10% किया जाएगा। जिसका लाभ आंदोलनकारियों के आश्रित, पुत्र पुत्री , पोता पोती को निश्चित मिलेगा।उक्त बातें नगर विकास, खेलकूद युवा कार्य एवं पर्यटन विकास मंत्री सुदिव्य सोनू ने आज सुबह स्मार्ट सिटी स्थित अपने आवास में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधियों के साथ विशेष चर्चा के दौरान कही। चर्चा में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो, केंद्रीय कोषाध्यक्ष सरोजिनी कच्छप दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिर्की, प्रभारी अनथन लकड़ा एवं शिमोने तिग्गा शामिल थे। उन्होंने 10 मार्च से आहत अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन को समाप्त करने के प्रति भी आभार व्यक्त किया। आंदोलनकारियों ने भी हेमंत सोरेन सरकार के प्रति पूर्ण आस्था व्यक्त किए। ।

सोनू दिव्य ने जेल जाने की बाध्यता को समाप्त कर सभी झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रुपया देने, झारखंडआंदोलनकारी के पुत्र- पुत्री एवं आश्रितों को सीधी नियुक्ति, एवं रोजी रोजगार की गारंटी करने एवं झारखंड आंदोलनकारियों की स्मृति में झारखंड आंदोलनकारी कॉरिडोर का निर्माण हो एवं चौक चौराहों में शिलालेख वैगरह का निर्माण सरकार द्वारा कराए जाने के मुद्दे पर विशेष चर्चा की।

रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष कन्हाई पांडेय व पप्पु यादव बने महासचिव

बैठक में शांतिपूर्ण व भाईचारे के साथ रामनवमी मनाने का लिया गया निर्णय

चतराः शहर के माधव मंदिर गौरक्षणी परिसर में रविवार को रामनवमी पूजा को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर रामनवमी महासमिति की बैठक हुई।बैठक में सर्वसम्मति से कन्हाई पांडेय को अध्यक्ष और पप्पु कुमार यादव को महासचिव चुना गया।बताया गया कि सोमवार को महासमिति का विस्तार किया जाएगा। बैठक में रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाने का निर्णय लिया गया।इस मौके पर नवचयनित अध्यक्ष और महासचिव का माला पहनाकर स्वागत किया गया।नवचयनित पदाधिकारियों ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस बार भी रामनवमी धूमधाम से मनाई जाएगी। विभिन्न क्लबों द्वारा आकर्षक और भव्य झांकी निकाली जाएगी तथा पूरे शहर को भगवामय बनाया जाएगा। साथ ही नशामुक्त रामनवमी मनाने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि जुलूस और झांकी के दौरान शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के साथ-साथ पेयजल, लाइट, मंच समेत अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की जाएंगी।बैठक में हिमांशु उर्फ हनी, देवनंदन सोनी, शशिकांत सहाय, मुन यादव, पिंटू सिंह, अजय कसेरा, शैलेश शेखर, कृष्णा साव समेत विभिन्न क्लबों के अध्यक्ष और सचिव उपस्थित थे।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

मुरीः सिल्ली लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट एवं सेवा भारती सिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 15 मार्च को मारवाड़ी धर्मशाला सिल्ली में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नेत्र रोग के 130 लोगों की जांच हुई। जांच उपरांत 52 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए जिनका ऑपरेशन 16 मार्च को निरामया अस्पताल कोकर रांची में किया जाएगा। ऑपरेशन के बाद मरीजों को निशुल्क दवा एवं काला चश्मा दिया जाएगा। शिविर को सफल बनाने में प्रवीण अग्रवाल ,स्वरूप दत्ता , जगदीश गोराई, प्रकाश अग्रवाल, प्रशांत रविदास , ऋषिकेश सोनार,घोल्टू विश्वकर्मा, कौशल्या देवी,आयुष अग्रवाल, सिस्टर एलिजाबेथ, दिलीप दे , अमर अग्रवाल व अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

एसडीओ आवास पर दावत-ए-इफ्तार का आयोजन

चतराः रविवार को एसडीओ जहूर आलम के आवास पर दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया। इफ्तार पार्टी में मुख्य अतिथि के रूप में डीसी कृतिश्री , विधायक जनार्दन पासवान, राज्य के पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता, एसपी सुमित कुमार अग्रवाल, चतरा नगर परिषद अध्यक्ष अताउर रहमान शामिल हुए।इफ्तार पार्टी में शामिल हुए लोगों को टोपी पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर सभी लोगों ने देश व प्रदेश में अमन-चैन, शांति एवं भाईचारा का माहौल कायम होने की दुआ मांगी। साथ ही गंगा जमुना तहजीब को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। मौके पर पूर्व मंत्री श्री भोगता ने इफ्तार पार्टी आयोजन के लिए एसडीओ के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार का इफ्तार पार्टी का आयोजन होने से आपसी भाईचारा बढ़ता है। इफ्तार पार्टी एकता का प्रतिक है।रमजान का यह पाक महीना आपसी भाईचारगी का संदेश देता है। इस तरह के आयोजन से एक दूसरे से मिलने व आपस में बात करने का मौका मिलता है।एसडीओ जहूर आलम ने कहा कि रमजान के पाक महीने को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के सभी भाई-बहनों से मुलाकात का एक बहाना इफ्तार पार्टी का आयोजन से बेहतर और कुछ नहीं था।इसलिए इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। सभी धर्मों में फास्टिंग की परम्परा है।सभी धर्मों का उदय मानव बनाने के लिए हुआ है। उन्होंने सभी को मानवता का परचम लहराकर इंसानियत का संदेश देने की बात कही। मौके पर हजरत हसनैन साहब, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, एनडीसी विनय कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी मनु कुमार, एसडीओपी संदीप सुमन, सब रजिस्ट्रार संतोष रजक, सदर थाना प्रभारी अवधेश सिंह, हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार, वशिष्ठ नगर जोरी थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह, हंटरगंज बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप, राजद जिलाध्यक्ष नवलकिशोर यादव, पूर्व मंत्री प्रतिनिधि, अब्दुल्ला अंसारी, अतीक मंसूरी, फजल रहमान, वार्ड पार्षद आबिद हुसैन, प्रो उमर फारुक समेत काफी संख्या में लोग शामिल थे।

सड़क जाम करने वाले 19 नामजद व 35 अज्ञात पर मामला दर्ज

चतराः लापता छात्र निखिल कुमार की खोजबीन की मांग को लेकर शनिवार की रात केशरी चौक पर सड़क जाम करने के मामले में सदर थाना में 19 नामजद समेत 30-35 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें बिंड मुहल्ला निवासी कृष्णा मालाकार, उनकी पत्नी, अनुराग वर्मा, सुनील माली, अनिल माली, महेंद्र माली, अजय डोम, राजा माली, सुशील कुमार, योगेश लोहार, जितेंद्र कुमार, चिंटू वर्मा, विशाल प्रजापति, रहमतिया मस्जिद निवासी मो। फैसल, शकलैन, रहमत नगर निवासी शकील, अंसार नगर निवासी इरशाद, लाईन मुहल्ला निवासी अहमद अली व मोनू मियां को नामजद आरोपी बनाया गया है। जबकि 30-35 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। इन सभी के खिलाफ सदर थाना कांड संख्या 80/26 के तहत सार्वजनिक मार्ग बाधित करने, सार्वजनिक उपद्रव करने, सरकारी कार्य में जानबूझकर बाधा डालने तथा लोक सेवकों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है।

21 दिनों बाद मिला एयर एंबुलेंस का इंजन

चतराः जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के कासियतू करमटांड जंगल में 23 फरवरी को हुए एयर एंबुलेंस हादसे से जुड़ा एक अहम सुराग 21 दिनों बाद मिला है। रविवार को महुआ चुनने गए ग्रामीणों ने जंगल में विमान का इंजन देखा, जिसके बाद इसकी सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही सिमरिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और इंजन को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि यह इंजन हादसे के मूल घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर मिला है। गौरतलब है कि 23 फरवरी को कासियतू करमटांड जंगल में एक एयर एंबुलेंस क्रैश हो गई थी। इस भीषण हादसे में पायलट समेत कुल 7 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। हादसे के बाद से ही विमान के कुछ हिस्सों की तलाश जारी थी। अब 21 दिनों बाद इंजन मिलने से जांच एजेंसियों को हादसे के कारणों का पता लगाने में अहम सुराग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच में जुटे हुए ।

माकपा के छोटानागपुर स्तरीय जन आक्रोश जत्था का समापन

देश के किसानों व मजदूरों के हितों को मोदी सरकार ने बेच डाला : वृन्दा कारात

संवाददाता

मुरीः मोदी सरकार के किसान - मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ माकपा का छोटानागपुर स्तरीय जन आक्रोश जत्था का समापन हो गया है। शहीद लक्ष्मी कान्त स्वासी की प्रतिमा पर पूर्व माकपा पोलिट ब्यूरो सदस्य सह पूर्व सांसद वृंदा कारात के माल्यार्पण के पश्चात विशाल रैली टांगरटोली से प्रारंभ होकर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बुंडू नगर होते हुए धुर्वा मोड़ स्थित शहीद बिरसा मुंडा प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात जन आक्रोश सभा सुरेश मुंडा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए वृंदा कारात ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के किसान - मजदूरों के हितों को बेच डाला,भारत - अमेरिका समझौता कर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, अमेरिकी उत्पादों के लिए 0 प्रतिशत आयात शुल्क पर मुक्त भारतीय बाजार एवं भारतीय उत्पादों के लिए 18 प्रतिशत टेरिफ भारतीय संप्रभुता एवं भारतीय किसानों के लिए मौत की घंटी है, किसान - मजदूर विरोधी 4 लेबर कोड,बिज और बिजली विधेयक , भारत - अमेरिका व्यापार समझौता तथा मनरेगा का खात्मा तथा जनविरोधी नीतियों के

खिलाफ माकपा का दिल्ली रेली ऐतिहासिक होगी, इरान पर अमेरिका - इजराइल द्वारा हमला का मोदी सरकार द्वारा समर्थन भारत के गुट निरपेक्षता नीति को कमजोर करता है, इरान में 185 छात्राओं का इजराइल - अमेरिका द्वारा हमला से मौत के खिलाफ विश्व व्यापी विरोध जारी है।युद्ध के काले बादल के खिलाफ भारत वासियों की आवाज उठाओ, युद्ध बन्द करो, स्वतंत्रत विदेश नीति के सवाल पर दिल्ली रैली यादगार होगा। मोदी सरकार द्वारा कारपोरेट घरानों को करोड़ों रुपए की छूट,जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा की लूट का छूट देने पर आमादा है, घरेलू गैस 7 प्रतिशत टेक्स बढ़ा दिया है एवं अमेरिका को टेक्स फ्री किया है। पेशा नियमावली के तहत बिना ग्राम सभा के ही जबरन जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है। माकपा राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने संबोधित करते हुए कहा जन आक्रोश जत्था 7 से 10 मार्च तक छोटानागपुर एवं संथाल परगना स्तरीय जत्था का झारखंड के किसान - मजदूरो द्वारा जोरदार स्वागत किया गया,24 मार्च दिल्ली रैली को सफल बनाने का आव्हान किया। माकपा झारखंड राज्य सचिव मंडल सदस्य सह झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो , राज्य सचिव मंडल सदस्य सुरेश मुंडा ने संबोधित करते हुए 24 मार्च की दिल्ली रैली में किसान - मजदूरों, आदिवासियों, दलितों,पिछड़ों की व्यापक भागीदारी का आव्हान किया गया। जन आक्रोश सभा का धन्यवाद ज्ञापन जिला कमिटी सदस्य रंजीत मोदक ने किया। इस अवसर मुख्य रूप से माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य समीर दास, प्रफुल्ल लिंडा,माकपा राज्य कमिटी सदस्य रंगोवती, दिवाकर मुंडा,मदुवा कच्छप, अमल आजाद,जिला कमिटी सदस्य मंगल मुंडा,लोधरो मुंडा,जेहरू लाल मुंडा, रीता स्वासी, लक्ष्मी देवी, सहचरी देवी, अनुप दत्ता,रामधन मछुवा, सदानंद स्वासी, उमेश महतो,रतन महतो, जयपाल सिंह मुंडा, शोभाराम महतो,बिसमबर महतो,लोकल कमिटी सदस्य दिनेश महतो,घुरन पातर, राजेंद्र सिंह मुंडा, विशेश्वर अहिर, शैलेश मुंडा,रबि गोझू, बिरसा मुंडा सहित काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थे।

4 लेबर कोड रद्द करो, बीज और बिजली विधेयक वापस लो, मनरेगा को वापस करना होगा,भारत अमेरिका व्यापार समझौता नहीं चलेगा, किसानों के लिए एमएस की कानूनी गारंटी करो, हाथियों के आतंक से किसानों को निजात दिलाओ, जबरन जमीन अधिग्रहण नहीं चलेगा,जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा पर कारपोरेट कब्जा नहीं चलेगा, सर्वाधिक बेरोजगारी, महंगाई निजीकरण नहीं चलेगा,देश बेचना नहीं चलेगा, सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण नहीं चलेगा, पलायन, विस्थापन पर रोक लगाओ, खनिज संपदा पर किसानों को हिस्सेदारी देना होगा, युद्ध नहीं शान्ति चाहिए, भारत सरकार द्वारा इजराइल - अमेरिका द्वारा युद्ध का समर्थन नहीं चलेगा आदि नारे लग रहे थे।

झारखंड पुलिस को मिली नई गाड़ियां

खूंटी जिले को मिला 14 बोलेरो और 6 बाइक

खूंटीः राज्य में कानून-व्यवस्था को और मजबूत तथा आधुनिक बनाने के उद्देश्य से झारखंड पुलिस को नई गाड़ियां उपलब्ध कराई गई हैं। इन वाहनों के मिलने से पुलिस की पेट्रोलिंग व्यवस्था में सुधार होगा और किसी भी घटना या आपात स्थिति में पुलिस टीम तेजी से मौके पर पहुंच सकेगी। इसी क्रम में खूंटी जिला पुलिस को भी नए वाहन मिले हैं। जिले को 14 बोलेरो वाहन और 6 मोटरसाइकिल प्रदान किए गए हैं, जिन्हें विभिन्न थानों में आवश्यकता के अनुसार तैनात किया जाएगा। इस संबंध में मनीष तोपो ने बताया कि जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र में कम से कम एक बोलेरो वाहन उपलब्ध कराने की योजना है, ताकि पुलिस की गश्ती व्यवस्था और अधिक प्रभावी हो सके। इससे अपराध नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की पहुंच को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि नए वाहनों के मिलने से रात्रि पेट्रोलिंग, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता बढ़ेगी। इससे जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को और मजबूती मिलेगी। पुलिस विभाग का मानना है कि आधुनिक संसाधनों से लैस होने पर पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ेगी और आम जनता को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

लक्षुई में शारदा विद्या मंदिर का विधायक ने किया उद्घाटन

◀बच्चों को नर्सरी से कक्षा 5वीं तक की मिलेगी शिक्षा ◀ शिक्षा से बड़ा कोइ रोजगार नहीं: विधायक

संवाददाता

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के गेरुआ पंचायत अंतर्गत लक्षुई में रविवार को शारदा विद्या मंदिर स्कूल का आगाज किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सांसद सुपुत्र नीतीश कुमार, जिप सदस्य निशि कुमारी ने संयुक्त रूप से विधिवत पूजा पाठ कर और फीता काटकर शुभारंभ किया।

बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने की व्यवस्थाः विद्यालय के निदेशक श्यामसुंदर कुमार व प्राचार्य रवि कुमार ने बताया कि शारदा विधा मंदिर स्कूल में बच्चों की शुरूआती शिक्षा को मजेदार और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से खोली गई है। जो बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा यानी एलिमेंट्री स्तर तक की पढ़ाई कराएगा। यह स्कूल खुलने

से गेरुआ, लेंजवा पंचायत के आसपास गांव में रहने वाले लोगों में बच्चों की अच्छी शिक्षा को लेकर खासा उत्साह है। उन्होंने कहा, अब बच्चों को शुरूआती पढ़ाई के लिए हंटरगंज चतरा नहीं भेजना पड़ेगा, क्योंकि शारदा विद्या मंदिर स्कूल हमारे घर के पास ही खुल गया है। यह हमारे बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने का काम करेगा, जो उनके शैक्षणिक विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

शारदा विद्या मंदिर स्कूल के उद्घाटन का महत्वः स्कूल के उद्घाटन समारोह में मौजूद विधायक जनार्दन पासवान ने कहा कि, ₹शुरूआती शिक्षा किसी भी बच्चे की बौद्धिक और मानसिक विकास की नींव होती है। शारदा विद्या मंदिर स्कूल की यह पहल क्षेत्र के बच्चों को बेहतर और समृद्ध शिक्षा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बच्चों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का समावेश भी बहुत जरूरी है, जिसे यह विद्यालय पूरा करेगा।

बेहतर शिक्षा का एक नया आयाम : गेरुआ और लेंजवा पंचायत के सीमांत में शारदा विद्या मंदिर स्कूल के खुलने से स्थानीय लोग बेहद खुश हैं। इस स्कूल में दी जाने वाली शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को खेल और आनंदमय वातावरण में शिक्षा प्रदान करना है, जिससे वे न केवल शैक्षिक बल्कि सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से भी विकसित हो सकें। इस स्कूल के खुल जाने से क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक नया आयाम स्थापित होगा, जो आने वाले समय में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन कुमार सिंह, लेंजवा मुखिया योगेंद्र यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण चौरसिया, गुंजीत सिंह, पूर्वमुखिया संतोष यादव, जिप सदस्य प्रतिनिधि बेचन पासवान, विजय पासवान, रामप्रवेश ठाकुर, बच्चू साव, सतेंद्र साव, गिरजा पासवान, लीला यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

विधानसभा में उठी पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग

डॉ नीरा यादव की पहल का आईएफडब्ल्यूजे ने किया स्वागत

मेट्रो रेज

रांचीः कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए 'पत्रकार सुरक्षा कानून' को प्रदेश में अविलंब लागू करने की मांग की। उन्होंने सदन में स्पष्ट किया कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की निष्पक्षता और सुरक्षा के लिए यह कानून अनिवार्य है।

आईएफडब्ल्यूजे नेतृत्व ने जताया आभारः इण्डियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व ने विधायक डॉ नीरा यादव के इस कदम की सराहना की है।

संगठन के उपाध्यक्ष गोपाल मिश्रा, उपेंद्र सिंह राठौर, मोहन कुमार, सेक्रेटरी जनरल विपिन धूलिया एवं कोषाध्यक्ष रजत मिश्रा ने संयुक्त रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि सदन के पटल पर इस विषय को रखना राज्य के हजारों पत्रकारों की भावनाओं का सम्मान है। उन्होंने बताया की आईएफडब्ल्यूजे के अध्यक्ष स्व. के विक्रम राव ने जैसलमेर, राजस्थान में 2016 में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इसका मसौदा बना कर केंद्र सरकार से इसको देश में लागू करने कि मांग की थी। पत्रकार सुरक्षा कानून महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ में लागू हो चुका है। आईएफडब्ल्यूजे के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण ने डॉ नीरा यादव का आभार प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि इस कानून को राज्य में प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को कार्य के दौरान सुरक्षा की गारंटी देना और उनके विरुद्ध होने वाली हिंसा को रोकना सरकार का नैतिक उत्तरदायित्व है।

प्रमुख मांगेंः

- पत्रकारों के विरुद्ध हिंसा और दुर्व्यवहार को रोकने हेतु कड़े कानूनी प्रावधान।
- रिपोर्टिंग के दौरान आने वाली बाधाओं और फर्जी मुकदमों से सुरक्षा।

आंगनबाड़ी सेविका सहायिका के मानदेय बढ़ोत्तरी को लेकर बीजेपी का जोरदार प्रदर्शन

रांचीः आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का मानदेय घोषणा के अनुरूप नहीं बढ़ाए जाने के विरोध में भाजपा विधायकों ने विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की। हाथों में तख्ती लिए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भाजपा विधायकों ने इस दौरान सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा।

बड़ी-बड़ी बातों को कहकर महिलाओं से वोट लियाः नवीन जायसवाल

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने इस मौके पर सरकार के कामकाज की आलोचना करते हुए कहा कि एक तरफ महिला सशक्तिकरण की बात कही जाती है, वहीं दूसरी ओर इन सहिया बहनों का मानदेय नहीं बढ़ाया जाता है। चुनाव के वक्त बड़ी-बड़ी बातों को कहकर महिलाओं से वोट लेने का काम किया गया और जब वक्त उन वादों को पूरा करने का आया तो सरकार इन्हें ठगने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका सहायिका हों या रसोइया दीदी हों या जेएसएलपीएस के कर्मचारी पदाधिकारी हों सभी को इस सरकार ने ठगने का काम किया। 2019 और 2024 के चुनाव में बड़ी-बड़ी घोषणा की गई और मानदेय बढ़ाने की बात जब उठने लगी तो सरकार उससे मुकर गई है इसके विरोध में आज सभी सड़क पर हैं और आंदोलन कर रही हैं।

दीदियों को सम्मानजनक मानदेय दिलाने के लिए प्रदर्शनः शशिभूषण मेहता

भारतीय जनता पार्टी उनके आंदोलन का समर्थन करती है और सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन तेज किया जायेगा। भाजपा विधायक शशिभूषण मेहता ने कहा कि इतने कम पैसे में यह दीदियां काम करती हैं, इन्हें सम्मानजनक मानदेय दिलाने के लिए हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार को चाहिए कि इनसे जो वादा किया गया था उसे जरूर पूरा करें।

मानदेय 2 हजार रुपए है 15 हजार हो जाता हैः मंत्री

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने विपक्ष के आंदोलन पर पलटवार करते हुए कहा कि मैं सबसे ज्यादा काम करता हूं उसके बाबजूद सबसे अधिक मुझे ही टारगेट किया जाता है। उन्होंने कहा कि सहिया का मानदेय भले ही 2000 रुपए है मगर स्कीम के तहत उन्हें 15 हजार रुपए मिलते हैं। हाल ही में हमलोगों ने उन्हें टैब दिया है। इस तरह से लगातार उनकी सुविधा बढ़ाई जा रही है और सरकार उनके साथ है।

सगी मौसी पर नाबालिग को बेचने का आरोप,महिला गिरफ्तार

रांचीः राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग बच्ची ने अपनी ही मौसी पर उसे काम का झांसा देकर कई लड़कों के पास बेचने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। इस घटना के सामने आते ही इलाके में भारी हंगामा हो गया और स्थानीय लोगों ने आरोपी महिला को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पीड़ित नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया है कि उसकी मौसी, जिसे वह बड़ी मम्मी कहकर बुलाती है, उसे काम दिलाने के बहाने अपने साथ ले गई थी। बच्ची के अनुसार, मौसी ने उसे कई लड़कों के पास बेच दिया। किसी तरह मौका पाकर वह वहां से भाग निकली और सीधे पुलिस के पास पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई।

बच्ची की आपबीती सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। गुस्साए स्थानीय लोगों ने आरोपी महिला को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान इलाके में काफी देर तक हंगामा होता रहा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब बच्ची के गायब होने की सूचना सदर थाना की पुलिस को दी गई थी, तब पुलिस ने गंभीरता से कार्रवाई नहीं की और लोगों को अपने स्तर से बच्ची को खोजने की बात कह दी। इसी कारण लोगों में पुलिस के प्रति भी नाराजगी देखी गई।

इस घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को किसी तरह नियंत्रण में किया। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में लेकर थाना ले गई है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

धालभूमगढ़ एयरपोर्ट परियोजना जल्द शुरू करने की मांग, एससीसीआई ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

संवाददाता

रांचीः जमशेदपुर और कोल्हान क्षेत्र के औद्योगिक व शहरी विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रांची में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने धालभूमगढ़ एयरपोर्ट परियोजना, टाटा कमांड एरिया में बंद पड़ी जमीन रजिस्ट्री और उद्योगों से जुड़ी अन्य समस्याओं को मुख्यमंत्री के सामने रखा।

कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चाः

सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष मानव केडिया के नेतृत्व में रांची स्थित नवनिर्मित झारखंड विधानसभा भवन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कोल्हान और जमशेदपुर क्षेत्र के विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में मानद महासचिव पुनीत काउंटिया, उपाध्यक्ष (टैक्स एवं फाइनेंस) राजीव अग्रवाल, उपाध्यक्ष (उद्योग) हर्ष बांकरेवाल, सचिव (उद्योग) विनोद शर्मा और सचिव (टैक्स एवं फाइनेंस) अंशुल रिंगासिया शामिल थे।

वे खुद इस परियोजना की प्रगति पर नजर रखे हुए हैंः बैठक में चेंबर ने सबसे पहले धालभूमगढ़ एयरपोर्ट परियोजना का मुद्दा उठाया, जो पिछले करीब छह वर्षों से लंबित है। चेंबर ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि इस परियोजना को जल्द शुरू कराया जाए, क्योंकि इसके चालू होने से कोल्हान क्षेत्र में उद्योग, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आश्वासन दिया कि वे खुद इस परियोजना की प्रगति पर नजर रखे हुए हैं और जल्द ही इसमें आगे बढ़ने की उम्मीद है। प्रतिनिधिमंडल ने टाटा स्टील के कमांड एरिया में करीब दस वर्षों से बंद पड़ी जमीन रजिस्ट्री का मुद्दा भी उठाया। चेंबर ने बताया कि रजिस्ट्री बंद रहने से शहर में रियल एस्टेट, निर्माण कार्य और शहरी विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सरकार से इस समस्या के समाधान के लिए पहल करने की मांग की।

चेंबर ने राज्य सरकार से भूमि सर्वे कर रिकॉर्ड में सुधार करने की मांग की

बैठक में झारखंड इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी को भूमि अधिग्रहण का अधिकार देने की मांग भी रखी गई। चेंबर का कहना था कि इस अधिकार के बिना औद्योगिक भूमि बैंक बनाना मुश्किल हो रहा है, जिससे खासकर एमएसएमई सेक्टर के उद्योग लगाने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, नोएडा और राजस्थान जैसे राज्यों में औद्योगिक विकास संस्थाओं को यह अधिकार दिया गया है। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने जुगसलाई, मानगो और टाटा कमांड एरिया से बाहर के कई इलाकों में जमीन के रिकॉर्ड में अब भी बिहार सरकार का नाम दर्ज रहने की समस्या भी उठाई। चेंबर ने राज्य सरकार से भूमि सर्वे कर रिकॉर्ड में सुधार करने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार से भी मुलाकात कर इन मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही जमशेदपुरझ्आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में वाणिज्यिक एलपीजी की कमी से उद्योगों को हो रही परेशानी के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राधा कृष्ण किशोर, पूर्णिमा साहू, समीर मोहंती और सोमेस सोरेन से भी मुलाकात की। चैंबर अध्यक्ष मानव केडिया ने बताया कि मुख्यमंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक पहल का भरोसा दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन मुद्दों के हल होने से जमशेदपुर और कोल्हान क्षेत्र के औद्योगिक, व्यापारिक और शहरी विकास को नई गति मिलेगी।

रमजान के आखिरी दिनों का पैगाम – इंसानियत और भाईचारा

गुलाम शाहिद

रमजान मुबारक के बरकत वाले महीने के पूरा होने में अब कुछ ही दिन बाकी रह गए हैं। यह पवित्र महीना हमें सब्र, तकवा, मोहब्बत, भाईचारा और इंसानियत की सेवा का पैगाम देता है। इन कीमती दिनों में हमें चाहिए कि हम ज्यादा से ज्यादा इबादत करें, कुरआन शरीफ की तिलावत करें, सदका-खैरात करें और जरूरतमंद लोगों की मदद करें।

रमजान हमें यह सिखाता है कि हम अपने दिलों को नफरत, जलन और बुराइयों से साफ करें और मोहब्बत, हमदर्दी और सहनशीलता को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बनाएं। यह महीना इंसान को इंसान से जोड़ने और समाज में अमन और सुकून कायम करने की प्रेरणा देता है। इस मौके पर हम अपने हिंदू भाइयों और अन्य धर्मों को मानने वाले लोगों को भी प्रेम और भाईचारे का संदेश देना चाहते हैं। हमारा देश अलग-अलग धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं का एक सुंदर गुलदस्ता है। रमजान का महीना हमें सिखाता है कि हम एक-दूसरे के धर्म और आस्था का सम्मान करें और मिल-जुलकर शांति, प्रेम और सद्भाव के साथ जीवन बिताएं। आइए रमजान के आखिरी दिनों की कदर करें, अल्लाह से अपनी मगफिरत और रहमत की दुआ मांगें और यह संकल्प लें कि रमजान की अच्छी आदतों और शिक्षाओं को अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी में भी जारी रखेंगे।

पश्चिम बंगाल की 100 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टीः राजकुमार राज

रांचीः राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज ने कहा कि आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अपने दम पर 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राज ने बताया कि पार्टी पश्चिम बंगाल में अपने संगठन को लगातार मजबूत कर रही है और प्रदेश अध्यक्ष सोमनाथ पांडे के नेतृत्व में राज्य भर में रैली और बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल के कई क्षेत्रों में पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगीः राज ने बताया कि इसी क्रम में 29 मार्च को बांकुरा में पार्टी की ओर से एक विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी, जिसमें पार्टी के कई केंद्रीय नेता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं झारखंड से सह-प्रभारी के रूप में इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। राज ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पद्म भूषण से सम्मानित स्वर्गीय रामविलास पासवान के समर्थकों की बड़ी संख्या है, जिसका लाभ पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में मिलने की उम्मीद है। झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के कई क्षेत्रों में पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी। इनमें पुरुलिया, बांकुरा, मेदिनीपुर, खड़गपुर और आसनसोल प्रमुख रूप से शामिल हैं।

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी भाजपा के साथ हैः राज ने आगे कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी भारतीय जनता पार्टी के साथ है।

मुख्यमंत्री ने रांची में किया 'जोहारग्राम-मेड इन झारखंड' शोरूम का शुभारंभ

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राजधानी रांची के करमटोली चौक के समीप 'जोहारग्राम - मेड इन झारखंड' शोरूम का फीता काटकर शुभारंभ किया।

यहां पुरुष महिला और बच्चों के लिए हर तरह के ट्राइबल्स क्लॉथ मिलेंगे, जिसमें आदिवासी साड़ियां, टी- शर्ट, बंडी और अन्य पारंपरिक आदिवासी पहनावा शामिल है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आदिवासी कला- संस्कृति के साथ आदिवासी पहनावा, ज्वेलरी, व्यंजन और अन्य सामानों को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। ऐसे में इस तरह के शोरूम खुलने से लोगों के बीच ट्राइबल पहनावा के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। इस मौके पर शोरूम के संचालक आशीष सत्यव्रत साहू ने मुख्यमंत्री का अभिवादन और स्वागत किया।

गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव की बहन की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 18 को

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में कुख्यात गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव की बहन मंजरी श्रीवास्तव की अग्रिम जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई होगी। यह मामला जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ में सुना जाएगा। अदालत ने आंशिक सुनवाई के बाद बहस के लिए 18 मार्च की तिथि निर्धारित की है।

गिरफ्तारी की आशंका और जमानत की गुहारः मंजरी श्रीवास्तव ने अदालत में गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए अग्रिम जमानत की मांग की है। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने भाई अमन श्रीवास्तव के हवाला पैसों के लेनदेन में शामिल होकर संगठन के कामकाज में साठगांठ की।

हवाला के जरिए ट्रांसफर हुए पैसे : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की शुरूआती जांच में पता चला है कि अमन श्रीवास्तव ने रंगदारी से वसूले गए पैसे हवाला के जरिए अपने परिजनों के खातों में ट्रांसफर किए। जांच के अनुसार यह रकम भाई अभिक, बहन मंजरी और बहनोई चंद्रप्रकाश राणू के खातों में गई।

गिरफ्तारी और जांच का सिलसिला : एनआईए ने हवाला के 25 लाख रुपये के साथ गैंग के सदस्य विनोद और सिद्धार्थ को गिरफ्तार किया था। उसी दौरान मंजरी श्रीवास्तव का नाम भी जांच में सामने आया। अब हाई कोर्ट में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई होने जा रही है।

श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति चुटिया की बैठक में हुआ नई कमिटी का गठन

मेट्रो रेज

रांचीः रामनवमी महोत्सव एवं रामनवमी शोभा यात्रा की तैयारी तथा राम नवमी के अखाडों ,खिलाड़ियों एवं राम भक्तो के साथ श्री महावीर मंडल केन्द्रीय समिति चुटिया की एक बैठक प्राचीन श्रीराम मंदिर चुटिया के प्रांगण में हुई।

बैठक मे चुटिया क्षेत्र के 34 आखाडाधारी शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से नयी कमेटी का गठन किया गया।

मुख्य संरक्षक- विजय साहु,पद्मश्री मुकुन्द नायक, सुरेश साहु,मदन सिंह, मणपूरण नायक

संरक्षक- कृष्ण सहाय, छत्रधारी महतो,ज्ञानी महतो,मुन्ना कच्छप, लखन महतो,उदय सारस्वत,विक्की शर्मा ,विकास जयसवाल ,मक्कखन पाठक ललन चौधरी,राजकुमार महतो,विजय तिर्की, गुजा तिर्की,गोपीकृष्ण अग्रवाल, जनार्दन शाह ,गणेश अग्रवाल, सावर अग्रवाल, कृष्ण साहु, केसी महतो,राधेश्याम केशरी

अध्यक्ष- कैलाश केशरी

कार्यकारी अध्यक्ष - रवि सिंह

उपाध्यक्ष- संदीप केशरी ,रवि सिंह हरिशंकर वर्मा किशोर नायक, सिकंदर ठाकुर, धनंजय सिंह, अनिल राम ,धंजु नायक, विजय राम ,विजय बड़ाईक,,कार्तिक नायक, विक्रम साहु,अनिल सिंह, आशीष साहु,उमंग साहु विरू साहु,रिक्की मथारू, अनिल गोप, जयदीप सौर ,कौशल चौधरी,प्रदीप सिंह ,रवि गोप ,प्रमोद गोप,विरलु तिर्की,अमित कुमार गुप्ता

महासचिव- सुनील सहाय, संजीव महतो

सचिव- रूपेश केशरी ,शिवम सिंह, सोनू प्रसाद, पप्पू ठाकुर ,किशोर राम ,संजय साहु,,संजय सिंह, बालसिग मुण्डा दिपक चौरसिया,गणेश घोष, सुधीर घोष,शिवम केशरी अमित केशरी ,अंकित केशरी जीतू साहु, सुजीत शर्मा, कोषाध्यक्ष- रमेश कुमार ,

सह कोषाध्यक्ष -अंबर ठाकुर,

मीडिया- रतन लाल, दिनेश शुक्ला

कार्यकारणी सदस्य- नकुल नायक, शामू नायक, अमित मोहन ,सुनील सिंह, मोनू सिंह मंगरा लोहरा,रिशु ठाकुर, मुकेश वर्मा ,शंकर महतो,रिक्की रजक,राजू सिंह, अजीत सिंह संतोष साहु,रतन केशरी

इसके साथ ही महिलाओ की कमेटी भी बनाई गयी। संरक्षक रेखा महतो ,रेखा केशरी ,मंजु चौधरी ,ललिता महतो ,अध्यक्ष ललिता ओझा

महासचिव - पिंकी सिंह

उपाध्यक्ष और पूजा सिंह ममता देवी ,रेणु सिंह, दिब्या साहु,मुन्नी मुण्डा

कोषाध्यक्ष -अनिता महली

सह कोषाध्यक्ष- ममता कुमारी

प्रचार मंत्री -अमरावती

सदस्य अंजु देवी ,पूजा कुमारी ,कांति कुमारी ,सालो देवी वीणा सिंह, खुसबु,मोनी देवी सीमा महतो पूजा कुमारी।

इस अवसर पर केंद्रित महावीर मंडल रांची के अध्यक्ष सागर वर्मा,चुनु मिश्रा,निवेश यादव, राजासेन गुप्ता,राहुल सिन्हा,रवीन्द्र वर्मा, राकेश सिंह, सुभाष साहु,संतोष गुप्ता का स्वागत किया गया ।

गणगौर सिंधारा उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

मेट्रो रेज

रांचीः महेश्वरी महिला चौपाल द्वारा महेश्वरी भवन में पारंपरिक गणगौर सिंधारा उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक लहरिया एवं बंधेज परिधान में भाग लिया, जिससे पूरा वातावरण राजस्थानी संस्कृति के रंगों से सराबोर हो गया।

कार्यक्रम की शुरूआत गणगौर माता की वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों जैसे तंबोला गेम, रैम्प वॉक, संगीत और नृत्य का आयोजन किया गया। रैम्प वॉक में प्रतिभागियों ने सोलह श्रृंगार के साथ पारंपरिक राजस्थानी परिधानों में अपनी सुंदर प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित सभी महिलाओं ने खूब सराहा।

इस अवसर पर सभी महिलाओं ने पारंपरिक गीतों और संगीत पर नृत्य कर उत्सव का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किए गए तथा अंत में सभी ने स्वादिष्ट अल्पाहार का आनंद लिया। आयोजकों ने बताया कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज में परंपराओं को जीवंत रखने के साथ-साथ महिलाओं के बीच आपसी स्नेह, सहयोग और एकता को भी मजबूत करते हैं।

आज के इस गणगौर सिंझारे में सुमन चितलांगिया, संगीता चितलांगिया, शशि डागा,रेनू फलोर,संगीता चितलांगिया,आशा बोरा, कल्पना मोहता, मनीषा कांकनी, बिना माहेश्वरी, दुर्गा काबरा, इंद्रा साबू, सरोज राठी, शारदा लड्डा, लक्ष्मी चितलांगिया, कृष्णा बोरा, कांता सारडा, रेनू काबरा, रंजू मालपानी,शिखा बिरला, रश्मि मालपानी,अचला चितलांगिया, सरोज काबरा,अर्चना काबरा, सरला सारडा सहित और भी सदस्य उपस्थित रही।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा के बीच भारत की आत्मनिर्भरता

आज के वैश्विक परिदृश्य में आत्मनिर्भरता किसी भी राष्ट्र की रणनीतिक स्वायत्तता, राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति की स्वतंत्रता का आधार बन चुका है। विशेष रूप से भारत जैसे विकास की गति में तेज दौड़ते राष्ट्र के लिए आत्मनिर्भरता का प्रश्न उत्पादन बढ़ाने या आयात कम करने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है, बाहरी निर्भरताओं को कम करना और बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा के बीच अपने राष्ट्रीय हितों का संतुलित प्रबंधन करना।

भारत के तेल आयात को लेकर समय-समय पर सामने आने वाले अंतरराष्ट्रीय दबाव इस तथ्य को स्पष्ट करते हैं कि आर्थिक संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति कैसे वैश्विक राजनीति में कूटनीतिक हथियार के रूप में भी प्रयुक्त हो सकते हैं! जब तेल की आपूर्ति को द्विपक्षीय व्यापारिक शर्तों से जोड़ा जाता है या किसी देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके ऊर्जा व्यापार को सीमित किया जाता है, तब यह आर्थिक निर्णय नहीं रहता, बल्कि वह राष्ट्रों की विदेश नीति और रणनीतिक निर्णयों को भी प्रभावित करता है।

एक तरह से देखें तो भारत के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। ऐसी परिस्थितियाँ यह याद दिलाती हैं कि आत्मनिर्भरता का वास्तविक अर्थ सिर्फ घरेलू उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रहा है, यह बाहरी निर्भरताओं से उत्पन्न दबावों को समझकर उनका विवेकपूर्ण प्रबंधन करना भी है।

स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा को देखें तो स्पष्ट होता है कि देश ने अपनी आर्थिक और राजनीतिक प्रगति की शुरूआत कई महत्वपूर्ण बाहरी निर्भरताओं के साथ की थी। इनमें चार क्षेत्र विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे हैं; भोजन, विदेशी मुद्रा, रक्षा उपकरण और ऊर्जा। इन चारों क्षेत्रों में समय-समय पर उत्पन्न संकटों ने भारत के नीति-निमार्ताओं को यह एहसास कराया कि यदि किसी राष्ट्र को अपनी नीति-निर्माण की स्वतंत्रता बनाए रखनी है, तब उस स्थिति में उसे इन मूलभूत क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमता विकसित करनी ही होगी।

इस संदर्भ में कहना होगा कि 1957-58 का विदेशी मुद्रा संकट स्वतंत्र भारत के लिए पहला बड़ा आर्थिक झटका था। उस समय आयात बढ़ने और निर्यात अपेक्षाकृत कम होने के कारण विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट गया। परिणामस्वरूप भारत को आयात पर नियंत्रण लगाने और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की सहायता लेने के लिए विवश होना पड़ा। इस संकट ने नीति-निमार्ताओं को यह समझा दिया कि यदि किसी देश की आर्थिक संरचना बाहरी संसाधनों पर अत्यधिक निर्भर हो, तब वह आर्थिक दबावों के सामने कमजोर पड़ सकती है।

इसके कुछ वर्षों बाद 1962 में चीन के साथ युद्ध ने भारत की रक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कमजोरी को उजागर किया। उस समय यह स्पष्ट हो गया कि भारत रक्षा उपकरणों और सैन्य तकनीक के लिए बड़े पैमाने पर विदेशी देशों पर निर्भर था। इस अनुभव ने देश को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि रक्षा उत्पादन में ह्यस्वदेशी क्षमताह्न का विकास राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य है।

इसी प्रकार 1965-67 के भीषण सूखे ने भारत की खाद्य सुरक्षा को संकट में डाल दिया। उस समय देश को अपनी जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर खाद्यान्न आयात करना पड़ा। यह स्थिति भारत के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि किसी भी देश के लिए ह्यभोजनह्न जैसी मूलभूत आवश्यकता में बाहरी निर्भरता उसकी संप्रभुता को कमजोर कर सकती है। यही वह दौर था जब भारत ने कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधारों और वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग के माध्यम से हरित क्रांति की दिशा में कदम बढ़ाया, जिसने अंततः देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया।

ऊर्जा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की चुनौतियाँ सामने आईं। 1990 के खाड़ी युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि हुई। चूँकि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा तेल आयात के माध्यम से पूरा करता है, इसलिए इस मूल्य वृद्धि का सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा। परिणामस्वरूप भुगतान संतुलन का गंभीर संकट उत्पन्न हुआ और भारत को आर्थिक सुधारों की दिशा में बड़े कदम उठाने पड़े। इस अनुभव ने यह स्पष्ट कर दिया कि ऊर्जा जैसे रणनीतिक संसाधनों में बाहरी निर्भरता किसी भी राष्ट्र की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है।

यहां समझने के लिए यह भी है कि भारतीय चिंतन में ह्यस्वदेशीह्न और ह्यआत्मनिर्भरताह्न का विचार शुरू से ही रहता आया है। प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन में भी संसाधनों की स्वतंत्रता को राज्य की शक्ति का आधार माना गया है। ह्यअर्थशास्त्रह्न में महान राष्ट्रभक्त आचार्य ह्यकौटिल्यह्न ने राज्य की समृद्धि और सुरक्षा को उसके आर्थिक संसाधनों और उत्पादन क्षमता से जोड़ा है। उनके अनुसार,किसी भी राज्य की स्थिरता इस बात पर निर्भर करती है कि वह अपने संसाधनों का प्रबंधन किस प्रकार करता है और बाहरी शक्तियों के प्रभाव से स्वयं को कितना सुरक्षित रख पाता है।

आधुनिक भारत में इस विचार को सबसे प्रभावी रूप से लाला लाजपत राय, विपिनचंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक, पं. मदनमोहन मालवीय, माखनलाल चतुवेर्दी समेत महात्मा गांधी ने प्रस्तुत किया। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ह्यहिंद स्वराजह्न में गांधी ने स्वदेशी की अवधारणा को आर्थिक नीति से कहीं अधिक सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता के सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया। उनके शब्दों में, ह्लस्वदेशी का अर्थ है अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपने आस-पास उपलब्ध संसाधनों और श्रम का उपयोग करना।ह्व गांधी के लिए स्वदेशी का उद्देश्य विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तक सीमित न रहते हुए एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण था जिसमें समाज की आर्थिक संरचना बाहरी शक्तियों के नियंत्रण से मुक्त हो सके।

इसी प्रकार दादाभाई नौरोजी ने अपनी प्रसिद्ध कृति ह्लपावर्टी ऐंड अनब्रिटिश रूल इन इंडियाह्व में यह तर्क दिया था कि ह्यभारत की गरीबी का एक प्रमुख कारण उपनिवेशवादी शासन के कारण उत्पन्न आर्थिक निर्भरता थी।ह्य उनके अनुसार ह्यजब किसी देश के संसाधनों और व्यापारिक गतिविधियों पर बाहरी शक्तियों का नियंत्रण हो जाता है, तब उस देश की आर्थिक प्रगति बाधित हो जाती है।ह्न निश्चित तौर पर कहना होगा कि यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी आर्थिक निर्भरता कई बार राजनीतिक दबाव का माध्यम बन जाती है। इसे आगे हम देखते भी हैं कि पं. दीनदयाल उपाध्याय, दत्तोपंत ठेंगड़ी, नानाजी देशमुख जैसे विचारकों ने बहुत व्यवहारिक तरीके से भारतीय समाज के सामने रखा है।

वस्तुतः वर्तमान समय में भारत के सामने ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का अधिकांश भाग तेल आयात के माध्यम से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कई बार ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जब ऊर्जा व्यापार को कूटनीतिक दबाव के साधन के रूप में प्रयोग किया गया। कुछ अवसरों पर अमेरिका ने अपने प्रतिबंधों के माध्यम से ईरान जैसे देशों से तेल आयात करने वाले देशों पर दबाव बनाया, जिससे भारत को भी अपने ऊर्जा आयात के निर्णयों में सावधानी बरतनी पड़ी। ऐसी

खाड़ी तनाव की आंच भारत तक: ईंधन और गैस आपूर्ति पर चिंता

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है। कच्चे तेल के मामले में देश लगभग 85 प्रतिशत तक आयात पर निर्भर है, जबकि एलपीजी और प्राकृतिक गैस का भी महत्वपूर्ण हिस्सा विदेशों से आता है। इन आयातों का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से ही प्राप्त होता है। ऐसे में यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या समुद्री मार्गों पर खतरा पैदा होता है, तो भारत की ईंधन आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

पिछले कुछ समय से खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। तेल और गैस के बड़े उत्पादक देशों के बीच बढ़ते टकराव और क्षेत्रीय असुरक्षा के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका गहराती जा रही है। इसका सीधा असर भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों पर पड़ सकता है।

रोहित पारीक

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है। कच्चे तेल के मामले में देश लगभग 85 प्रतिशत तक आयात पर निर्भर है, जबकि एलपीजी और प्राकृतिक गैस का भी महत्वपूर्ण हिस्सा विदेशों से आता है। इन आयातों का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से ही प्राप्त होता है। ऐसे में यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या समुद्री मार्गों पर खतरा पैदा होता है, तो भारत की ईंधन आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। हालांकि, ईरान ने भारत के ईंधन लदे जहाजों को अपनी सीमा के होर्मुज से सुरक्षित निकालने पर सहमति दी है, लेकिन जहाजों के भारत पहुंचने तक तो संकट बना रहेगा।

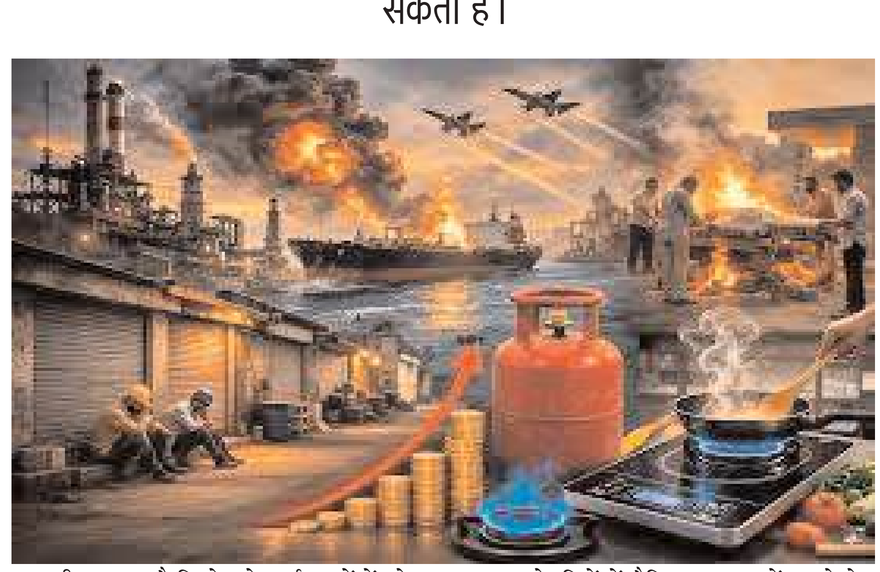

बड़ी बात यह है कि देश के कई राज्यों में घरेलू गैस आपूर्ति को लेकर संकट देखा जा रहा है। गैस सिलेण्डरों के लिए एजेन्सियों के बाहर लंबी कतारें होने के समाचार आ रहे हैं। होटल-रेस्टारेंट और गैस आधारित उद्योगों के बुरी तरह प्रभावित होने की सूचनाएं साझा हो रही है। हालांकि, सरकारें और प्रशासन अपने स्तर पर इस संकट से पार पाने और आमजन के दिलों में पैदा हुए डर को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आमजन के मन में बन रही संकट की तस्वीर मिट नहीं पा रही है।

हाल के दिनों में वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि खाड़ी क्षेत्र में स्थिति और बिगड़ती है, तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। इससे भारत में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतों पर दबाव बढ़ेगा। इसके साथ ही गैस आधारित उद्योगों और बिजली उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। भारत सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का निर्माण किया है, ताकि आपातकालीन स्थिति में देश के पास कुछ समय तक ईंधन की उपलब्धता बनी रहे। इसके अलावा सरकार तेल आयात के स्त्रोतों को भी विविध बनाने की कोशिश कर रही है, ताकि किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम की जा सके।

ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को दीर्घकालिक समाधान के तौर पर वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन पर तेजी से काम करना होगा। इससे न केवल आयात पर निर्भरता कम होगी, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी।

हालांकि फिलहाल देश में ईंधन और गैस की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव ने भविष्य को लेकर चिंता जरूर बढ़ा दी है। ऐसे समय में सरकार, ऊर्जा कंपनियों और नीति निमार्ताओं के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वे ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए ठोस रणनीति तैयार रखें।

कुल मिलाकर, खाड़ी देशों के बीच बढ़ता तनाव सिर्फ क्षेत्रीय राजनीतिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश के लिए यह स्थिति एक चुनौती भी है और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

फिल्म शतक है संघ की मौन साधना का दस्तावेज

फिल्म का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को लेकर है। इस समय विभिन्न विचारधाराओं और संगठनों की सक्रियता थी। फिल्म में यह संकेत मिलता है कि उस काल में कांग्रेस के भीतर भी अलग-अलग धाराएँ थीं और अनेक क्रांतिकारी विचार समानांतर रूप से सक्रिय थे। इस संदर्भ में सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और विनायक

भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में कुछ संस्थाएँ ऐसी हैं जिनकी भूमिका विचार, संस्कार और समाज निर्माण की दीर्घ परंपरा तक व्याप्त है। ऐसा ही एक संगठन है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसकी स्थापना 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में विजयादशमी के दिन की थी। सौ वर्षों की इस यात्रा को दृश्य माध्यम में समेटने का प्रयास करती फिल्म ह्लशतकह्व एक विचार-यात्रा है। यह फिल्म उस संगठन की कहानी कहती है जो सामाजिक समरसता, राष्ट्रभाव और सेवा के संस्कारों को केंद्र में रखकर कार्य करता रहा है।

फिल्म का मूल स्वर संघ की उस मौन साधना को समझाने का है जिसे अक्सर सामान्य जन सतही तौर पर जानते हैं। संघ का दैनिक जीवन,

विवेक कुमार पाठक

शाखाओं में गूंजने वाला प्रार्थना गीत, भगवा ध्वज को गुरु मानने की परंपरा और स्वयंसेवकों के सेवा कार्य इन सबको फिल्म एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करती है। विशेष रूप से यह दिखाया गया है कि कैसे संगठन समाज को जोड़ने, सांस्कृतिक चेतना जगाने और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने का प्रयास करता रहा है।

फिल्म की शुरूआत उस ऐतिहासिक दौर से होती है जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। उस समय की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों ने युवा डॉक्टर हेडगेवार को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे उन्होंने समाज में बिखराव, आत्मविश्वास की कमी और सांस्कृतिक अस्मिता के संकट को महसूस किया। यही अनुभव आगे चलकर संघ की स्थापना के प्रेरक बने। ह्लशतकह्व में हेडगेवार के जीवन को बाल्यकाल से लेकर उनके प्रौढ़ चिंतन तक विस्तार से दिखाया गया है, उनकी राष्ट्रभक्ति, संगठन क्षमता और समाज के लिए उनकी दूरदर्शी सोच फिल्म का प्रमुख आकर्षण है।

फिल्म यह भी बताती है कि प्रारंभिक वर्षों में संघ को व्यापक स्वीकृति तुरंत नहीं मिली। कई स्थानों पर उपहास, विरोध और संदेह का सामना करना पड़ा। यहाँ पर स्वामी विवेकानंद का वह विचार स्मरण होता है कि किसी भी बड़े विचार को पहले उपहास, फिर विरोध और अंततः स्वीकार्यता मिलती है। ह्लशतकह्व इसी क्रम को ऐतिहासिक घटनाओं के माध्यम से सामने लाती है। धीरे-धीरे संघ की शाखाएँ बढ़ती हैं और संगठन सेवा, अनुशासन और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज में अपनी पहचान स्थापित करता है।

फिल्म का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को लेकर है। इस समय विभिन्न विचारधाराओं और संगठनों की सक्रियता थी। फिल्म में यह संकेत मिलता है कि उस काल में कांग्रेस के भीतर भी अलग-अलग धाराएँ थीं और अनेक क्रांतिकारी विचार समानांतर रूप से सक्रिय थे। इस संदर्भ में सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और विनायक दामोदर सावरकर जैसे नायकों का उल्लेख उस दौर की वैचारिक विविधता को दर्शाता है।

ह्लशतकह्व का दूसरा महत्वपूर्ण अध्याय संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के नेतृत्व से जुड़ा है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे हेडगेवार के बाद उन्होंने संगठन को आगे बढ़ाया और कठिन परिस्थितियों में भी उसे स्थिर रखा। भारत विभाजन के समय उत्पन्न सामाजिक तनाव, ह्लडायरेक्ट एक्शन डेह्व की हिंसक घटनाएँ और शरणार्थियों की पीड़ा इन सबके बीच स्वयंसेवकों के कार्यों को फिल्म में प्रमुखता से दिखाया गया है।

इसके साथ ही गांधीजी की हत्या के बाद संघ पर लगे प्रतिबंध और उसके परिणामों का चित्रण भी फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उस समय संघ को राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा। ह्लशतकह्व इस कालखंड को केवल घटनाओं के रूप में नहीं बल्कि एक परीक्षा-काल के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसमें संगठन ने अपने अस्तित्व और उद्देश्य दोनों की रक्षा करने का प्रयास किया।

फिल्म में उस दौर के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ वैचारिक संवादों का भी उल्लेख है जिनमें महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इन प्रसंगों के माध्यम से फिल्म उस समय की राजनीतिक जटिलताओं और निर्णयों पर विचार करने का अवसर देती है। निर्देशक का उद्देश्य यहाँ किसी निष्कर्ष को थोपना नहीं बल्कि दर्शकों को इतिहास के विभिन्न पक्षों को देखने और समझने के लिए प्रेरित करना प्रतीत होता है।

सिनेमा के दृष्टिकोण से देखें तो ह्लशतकह्व की सबसे बड़ी ताकत इसका नैरेटिव टोन है। फिल्म में प्रसिद्ध अभिनेता अजय देवगन की आवाज में दिया गया वॉयसओवर पूरे कथानक को गंभीरता और प्रभाव देता है। उनकी आवाज इतिहास की घटनाओं को केवल जानकारी नहीं रहने देती बल्कि उन्हें भावनात्मक अनुभव में बदल देती है।

संगीत भी फिल्म की आत्मा को मजबूत करता है। गायक सुखविंदर सिंह की आवाज में गाया गया गीत ह्लभगवा है अपनी पहचानह्व फिल्म का भावनात्मक चरम बनकर सामने आता है। इस गीत के माध्यम से फिल्म संघ के सांस्कृतिक प्रतीक भगवा ध्वज को गौरव और पहचान के रूप में प्रस्तुत करती है। कई सिनेमाघरों में यह गीत दर्शकों के भीतर विशेष भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है। हालाँकि यह भी उल्लेखनीय है कि ह्लशतकह्व संघ की सौ वर्ष की यात्रा को पूरी तरह समेटने का दावा नहीं करती। फिल्म मुख्यतः हेडगेवार और गोलवलकर के कालखंड पर केंद्रित है और संघ के तीसरे सरसंघचालक बालासाहेब देवरस तक की कहानी का संकेत देती है। इस तरह यह फिल्म सौ वर्षों की यात्रा का ह्लअर्धशतकह्व दिखाती है और संकेत देती है कि आगे का इतिहास भविष्य में किसी अगले भाग में सामने आ सकता है।

फिल्म का एक महत्वपूर्ण गुण यह है कि यह दर्शकों को विचार करने के लिए प्रेरित करती है। चाहे संघ के समर्थक हों या आलोचक दोनों के लिए यह फिल्म इतिहास के एक पक्ष को समझने का अवसर प्रदान करती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक निर्णयों की आलोचना और इतिहास की व्याख्या जैसे विषयों को फिल्म अप्रत्यक्ष रूप से उठाती है। यह दर्शक से अपेक्षा करती है कि वह तथ्यों को देखे, उन्हें तौले और फिर अपना निष्कर्ष स्वयं बनाए।

एक तरह से देखें तो ह्लशतकह्व एक वैचारिक फिल्म है, जिसका उद्देश्य मनोरंजन से अधिक विचार और इतिहास को प्रस्तुत करना है। इसकी गति कहीं-कहीं धीमी लग सकती है, किंतु इसका महत्व एक दस्तावेजी महत्व के रूप में है। समग्र रूप से ह्लशतकह्व आधुनिक भारत के सामाजिक-राजनीतिक इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय की सिनेमाई प्रस्तुति है। यह फिल्म उन लोगों के लिए विशेष रूप से रोचक है जो संघ के इतिहास, उसकी विचारधारा और उसके कार्यों को समझना चाहते हैं। संघ के समर्थकों के लिए यह प्रेरणा का स्रोत हो सकती है, जबकि आलोचकों के लिए यह संवाद और विचार का अवसर प्रदान करती है। अंततः कहा जा सकता है कि ह्लशतकह्व एक ऐसी फिल्म है जो इतिहास, विचार और भावनाओं के संगम से बनी है। यह संघ के उन मौन तपस्वियों की कहानी कहती है जिन्होंने संगठन के माध्यम से समाज निर्माण का स्वप्न देखा। दर्शक इस फिल्म के साथ संवाद भी कर सकते हैं और शायद यही इसकी सबसे बड़ी सफलता है।

(लेखक स्वतंत्र स्तम्भकार हैं)

सुहागिनें क्यों रखती हैं दशा माता का व्रत?

हिंदू पंचांग के मुताबिक, प्रत्येक वर्ष चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता का व्रत रखा जाता है। इस बार यह व्रत तिथि 13 मार्च को पड़ रही है। माता दशा को मां पार्वती का रुप माना जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं माता दशा की विधिवत पूजा करने के साथ 10 गांठ वाला सूत के धागे से बना पीपल के वृक्ष पर अर्पित किए जाते हैं और पूजा के बाद इसे गले में पहन जाता है। दशा माता कू पूजा करने से सुख-समृद्धि, धन-संपदा और खुशहाली की प्राप्ति होती है। इस दिन दशा माता की व्रत कथा जरुर पढ़नी चाहिए।

दशा माता की व्रत कथा

दशा माता की कथा के अनुसार प्राचीन समय में नल नाम के एक राजा थे और उनकी पत्नी का नाम दमयंती था। उनके राज्य में प्रजा बहुत सुख और शांति से जीवन व्यतीत करती थी। एक दिन एक ब्राह्मणी रानी के पास आई, जिसके गले में पीले रंग का डोरा बंधा हुआ था। रानी ने उत्सुकता से उस डोरे के बारे में पूछा। तब ब्राह्मणी ने बताया कि यह डोरा दशा माता का है और इसे धारण करने से घर में सुख, समृद्धि और अन्न-धन की कभी कमी नहीं होती। यह कहकर उसने रानी को भी एक डोरा दिया, जिसे रानी ने श्रद्धा से अपने गले में बांध लिया। कुछ समय बाद राजा ने रानी के गले में बंधा हुआ डोरा देखा और उसके बारे में पूछा। रानी ने पूरी बात उन्हें बता दी। यह सुनकर राजा ने कहा कि जब हमारे पास सब कुछ है तो इस डोरे की क्या आवश्यकता है, इसलिए इसे उतारकर फेंक दो। रानी ने इसे तोड़ने से इंकार कर दिया, लेकिन राजा ने क्रोध में आकर वह डोरा तोड़कर फेंक दिया। रानी ने दुखी होकर कहा कि आपने अच्छा नहीं किया। उसी रात राजा को स्वप्न में एक वृद्धा दिखाई दी, जो वास्तव में दशा माता थीं। उन्होंने कहा कि अब तुम्हारी अच्छी दशा समाप्त होकर बुरी दशा शुरू होने वाली है, क्योंकि तुमने मेरा अपमान किया है। इतना कहकर वह अंतर्ध्यान हो गईं। इसके बाद से ही राजा का सुख-समृद्धि से भरा जीवन धीरे-धीरे संकटों से घिरने लगा। राज्य का वैभव समाप्त हो गया और हालात इतने खराब हो गए कि भोजन के लिए भी संघर्ष करना पड़ा। ऐसी स्थिति देखकर राजा ने रानी से कहा कि तुम बच्चों को लेकर अपने मायके चली जाओ। लेकिन रानी ने स्पष्ट कहा कि वह अपने पति को छोड़कर कहीं नहीं जाएगी और हर परिस्थिति में उनका साथ निभाएगी। तब दोनों ने अपना राज्य छोड़कर दूसरे देश जाने का निर्णय लिया ताकि वहां कोई काम करके जीवन चला सकें।

रास्ते में उन्हें एक भील राजा का महल मिला, जहां उन्होंने अपने दोनों बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए छोड़ दिया। आगे बढ़ते हुए वे राजा के एक मित्र के गांव पहुंचे। मित्र ने उनका बहुत सम्मान किया और उन्हें भोजन करवाकर अपने शयनकक्ष में विश्राम करने को कहा। उसी कमरे में एक खूंटी पर उसकी पत्नी का कीमती हीरों का हार टंगा हुआ था। रात में रानी की आंख खुली तो उन्होंने देखा कि वह खूंटी मानो जीवित होकर हार को निगल रही है। यह देखकर रानी ने राजा को जगाया।

टिप्स

अब खुजली-बदबू की नो इंट्री

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल में लोग अपनी सेहत का ख्याल नहीं रख पा रहे हैं। जिस कारण उनको कई तरह की समस्याएं हो रही हैं। अगर महिलाओं की बात की जाए, तो उनको इंटिमेट एरिया से जुड़ी कई समस्याएं झेलनी पड़ती हैं। ऐसा होने पर वह हॉस्पिटल के चक्कर लगाती हैं और महंगी दवाओं के खर्च उठाती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि आयुर्वेद में कई ऐसे नुस्खों के बारे में बताया गया है, जिनको अपनाकर महिलाएं अपनी इंटिमेट हेल्थ को सुधार सकती हैं।

ऐसे में अगर आप भी यूरिन इंफेक्शन या बदबू से परेशान हैं, तो आज हम आपको एक आयुर्वेदिक नुस्खे के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। क्योंकि आयुर्वेद में योनि धावन को इंटिमेट केयर का एक आसान और सेफ तरीका माना गया है। आप इसको घर पर आसानी से तैयार कर सकती हैं।

यह एक केमिकल फ्री तरीका है, जिससे इंटिमेट एरिया को बाहर से साफ किया जा सकता है। इसमें हल्की, जीरा और नीम की पत्तियों का इस्तेमाल किया जाता है। इन चीजों में नेचुरल तत्व पाए जाते हैं। वहीं आप रोजाना की सफाई के लिए इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपकी इंटिमेट हेल्थ बेहतर होगी।

सामग्री
कुछ नीम की पत्तियां
एक चुटकी हल्दी
आधा चम्मच जीरा
दो कप पानी

ऐसे बनाएं
सबसे पहले पानी को उबलने के लिए रख दें। जब पानी उबलने लगे तो इसमें नीम की पत्तियां, हल्दी और जीरा डाल दें। अब गैस की फ्लेम को धीमा कर दें और कम से कम 5 मिनट के लिए इसको उबलने के लिए छोड़ दें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

बुनियादी शिक्षा पढ़ने-लिखने और गणना करने में सक्षम बनाना है : ईश्वर पंडित

साहिबगंज : बोरियो प्रखंड में नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक जांच परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा प्रखंड के विभिन्न जन चेतना केन्द्रों एवं विद्यालयों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई जिसमें पोषक क्षेत्रों के नव साक्षरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।परीक्षा के सफल संचालन को लेकर सभी केन्द्रों का निरीक्षण प्रखंड संसाधन व्यक्तियों बीआरपी व क्लस्टर संसाधन व्यक्तियों सीआरपी द्वारा किया गया।निरीक्षण के दौरान सीआरपी सुल्तान आलम ईश्वर पंडित और धर्मेन्द्र कुमार ने विभिन्न जन चेतना केन्द्रों का दौरा कर व्यवस्था का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।इस संबंध में बीइओ तरुण कुमार घाटी ने बताया कि परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके पश्चात नव साक्षरों का डाटा एवं प्राप्तांक निर्धारित प्रपत्र में भरकर एक्सेल शीट के माध्यम से बीआरसी को उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य वयस्कों और नव साक्षरों को बुनियादी शिक्षा से जोड़ना उन्हें पढ़ने-लिखने और गणना करने में सक्षम बनाना है।इस कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र में साक्षरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

पुलिस का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है : एसडीपीओ

साहिबगंज/तालझारी : राजमहल अनुमंडल के एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने शनिवार को तालझारी थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पुलिसकर्मियों को कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में एसडीपीओ ने थाना के अभिलेखों, लंबित मामलों, मालखाना, हाजत तथा थाना परिसर की साफ-सफाई का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने थाना में दर्ज मामलों के निष्पादन में तेजी लाने और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।एसडीपीओ त्रिपाठी ने पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को जनता के साथ बेहतर व्यवहार बनाए रखने तथा क्षेत्र में नियमित गश्ती बढ़ाने का निर्देश दिया, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। साथ ही उन्होंने थाना परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यों को सुव्यवस्थित रखने पर भी जोर दिया।उन्होंने कहा कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।इसके लिए सभी पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारी और तत्परता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडे सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी व जवान उपस्थित थे।

मरम्मत नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

साहिबगंज/मंडरो : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मिजाचौकी से रक्सी स्थान जाने वाली जर्जर सड़क से नाराज ग्रामीणों ने रविवार को मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सड़क की खराब स्थिति और जगह जगह गड्ढों के कारण लोगों को हो रही परेशानियों के विरोध में ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन जाम की घोषणा करते हुए मार्ग पर आवागमन रोक दिया।ग्रामीणों का कहना था कि सड़क की मरम्मत को लेकर पहले भी मिजाचौकी थाना प्रभारी साहिबगंज उपायुक्त और मंडरो अंचल अधिकारी को आवेदन दिया गया था और 15 मार्च तक मरम्मत नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई थी। तय समय तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर रविवार को ग्रामीण सड़क पर उतर आए।सूचना मिलने पर मंडरो अंचल अधिकारी संजय कुमार शुक्ला, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा और समाजसेवी टिंकल भगत मौके पर पहुंचे। टिंकल भगत ने जेसीबी से जल्द मरम्मत कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने फिलहाल जाम समाप्त कर दिया।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जल्द स्थायी मरम्मत नहीं हुई तो दोबारा आंदोलन किया जाएगा।

न्यायिक प्रक्रिया को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जेल अदालत

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार - झालसा रांची के निदेशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में मंडल कारा साहिबगंज में जेल अदालत विधिक जागरूकता सह स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत लीगल डिफेंस काउंसिल की उपस्थिति रही। साथ ही मंडल कारा प्रशासन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान बंदियों के मामलों की सुनवाई हेतु जेल अदालत का संचालन किया गया।वहीं बंदियों को उनके विधिक अधिकारों निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत जमानत प्रक्रिया एवं अन्य कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त बंदियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया।जिसमें चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श और दवा प्रदान किया गया।अधिकारियों ने बंदियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए न्याय तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने पर बल दिया।

उधवा चौक पर मिट्टी लदे दो ट्रैक्टरों की आमने-सामने टक्कर

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : थाना क्षेत्र के उधवा चौक पर रविवार को मिट्टी लदे दो ट्रैक्टर आपस में टकरा गए। हालांकि इस दुर्घटना में ट्रैक्टर के दोनों चालक तथा सड़क से गुजर रहे राहगीर बाल-बाल बच गए और कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों ट्रैक्टर मिट्टी लादकर तेज रफ्तार में जा रहे थे। इसी दौरान अचानक दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुछ समय के लिए चौक पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई और सड़क पर यातायात भी बाधित हो गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए। दुर्घटना के कारण चौक पर कुछ देर के लिए वाहनों की लंबी कतार लग गई। स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों ट्रैक्टरों को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि थाना क्षेत्र में इन दिनों मिट्टी लदे ट्रैक्टरों का परिचालन धड़ल्ले से हो रहा है। चालक अक्सर अपनी खेप जल्द पूरी करने के चक्कर में तेज रफ्तार से

वाहन चलाते हैं। जिससे सड़क पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों का कहना है कि कई बार ऐसे वाहन बिना किसी सुरक्षा मानकों के भी चलाए जाते हैं।जिससे राहगीरों और अन्य वाहनों के लिए खतरा बढ़ जाता है। मिट्टी लदे ट्रैक्टरों के चपेट में कई लोगों की जाने भी जा चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि क्षेत्र में मिट्टी ढोने वाले ट्रैक्टरों की गति पर नियंत्रण लगाया जाए और नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

राज्यसभा सांसद सह प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

साहिबगंज : ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया ने पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों को लेकर राज्यसभा सांसद सह प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को प्रदेश कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं और मांगों से अवगत कराते हुए सदन में इस मुद्दे को उठाने की अपील की गई।इससे पूर्व प्रीतम सिंह भाटिया ने कोल्हान आयुक्त को भी मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर पत्रकारों की समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट कराया था। वहीं एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा पिछले एक सप्ताह से सोशल मीडिया अभियान चलाया जा रहा है और राज्य के विधायकों को व्हाट्सएप के माध्यम से पत्रकारों के मुद्दों के प्रति जागरूक करते हुए सदन में आवाज उठाने की अपील की जा

रही है।ज्ञापन में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने, फर्जी मामलों की सीआईडी जांच, पत्रकारों के लिए बीमा और पेंशन योजना, एक्रिडेशन की व्यवस्था, आवास सुविधा, पत्रकार आयोग का गठन, प्रेस क्लब के लिए जमीन सहित कुल 12 सूत्री मांगें रखी गई हैं। इस पर आदित्य साहू ने आश्वासन दिया कि पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों को झारखंड विधानसभा और राज्यसभा में उठाया जाएगा।इधर एसोसिएशन के जमशेदपुर जिला अध्यक्ष विनोद सिंह ने एक माह पूर्व जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा था। वहीं संताल परगना प्रमंडल प्रभारी कुणाल सिंह राजपूत ने जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर को ज्ञापन देकर पत्रकारों की समस्याओं से अवगत कराया। इसके अलावा एसोसिएशन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रविंद पांडेय और दिनेश बनर्जी ने भी राज्य के अन्य विधायकों को मांग पत्र सौंपकर पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए पहल करने की मांग की है।

माह ए रमजान के मौके पर इफ्तार पार्टी का हुआ आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के बैनर तले रविवार शाम शहर के चौक बाजार स्थित एक निजी होटल में माह ए रमजान के मौके पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। जहां इस कार्यक्रम में जिलेभर के सभी पत्रकार शामिल हुए।उधर इस कार्यक्रम के संयोजक मो.गुलजार व मो.वसीम आलम ने सभी पत्रकारों के साथ एकजुटता दिखाते हुए इफ्तार किया। वही कार्यक्रम को लेकर झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अरविंद ठाकुर ने कहा कि भारत देश में सभी धर्म जाति के लोग मिलजुलकर एक साथ पर्व त्योहार मनाते हैं और आपस में खुशियां बांटते हैं।जहां इसी का जीता जागता उदाहरण आज माह ए रमजान के मौके पर देखने को मिल रहा है।वही पत्रकार मुमताज नुमानी ने कहा कि इस इफ्तार कार्यक्रम में गंगा जमुनी तहजीब

देखने को मिली है।जहां रोजेदारों के द्वारा रोजा खोलने के बाद सभी पत्रकारों ने एक साथ इफ्तार किया और ईद की शुभकामनाएं दी। वही कार्यक्रम के संयोजक मो.गुलजार ने कहा कि रंगो का त्योहार होली हो या ईद का पर्व सभी त्योहारों में हमलोग आपस में मिलकर मनाते हैं जहां इस बार के कार्यक्रम से आपसी भाईचारा सौहार्दपूर्ण वातावरण व एक नई मिशाल पेश की जाती है जिससे समाज में अच्छा संदेश जाता है।वही उन्होंने कहा कि इस प्रकार का कार्यक्रम आने वाले समय में भी लगातार जारी रहेगा। इस मौके पर पत्रकार शिवशंकर निराला, प्रवीण कुमार, चंदन सिंह, पंकज वर्मा,सहेंद्र प्रसाद, दीपक कुमार केशरी, अरविंद कुमार यादव, प्रमोद निरंजन विक्की कुमार तांती,नवीन कुमार पासवान, अमित कुमार सिंह, सुनील कुमार आजाद, आलोक कुमार समेत अन्य पत्रकार शामिल थे।

शहर से निकलकर देश की सबसे कठिन परीक्षा में सफलता पाना कोई छोटी बात नहीं है : अमृता

संवाददाता

साहिबगंज : जिला परिषद स्थित उत्सव बैंक्वेट हॉल में रविवार को शहर की होनहार बेटी यूपीएससी में 365 रैंक लाकर सफल होने वाली निहारिका सिन्हा का नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।समाजसेवी प्रेमलाल मंडल उर्फ मंटा मंडल की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गान से किया गया।कार्यक्रम में समाजसेवी प्रेमलाल मंडल उर्फ मंटा मंडल,वार्ड पार्षद अमृता कुमारी व सुनीता सिन्हा सहित शहर के गणमान्य नागरिकों और प्रबुद्ध जनों ने निहारिका को बुके देकर व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। निहारिका के संघर्ष को

याद करते हुए वक्ताओं ने उन्हें युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।सीमित संसाधनों के बावजूद साहिबगंज जैसे छोटे शहर से निकलकर देश की सबसे कठिन परीक्षा में सफलता पाना कोई छोटी बात नहीं है।निहारिका सिन्हा की इस उपलब्धि ने साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।निहारिका सिन्हा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के अटूट विश्वास और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।प्रेमलाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने कहा कि निहारिका ने 365 रैंक लाकर पूरे शहरवासियों को गौरवान्ति किया। कम व्यवस्था के बावजूद निहारिका ने जो कर दिखाया वह कबीले तारीफ है।इससे बच्चों में प्रेरणा आएगी।इस प्रेरणा से बच्चे आने वाले दिनों में आईएएस आईपीएस बनकर अपना ओर शहरवासियों का नाम रौशन कर सके।मौके पर संजय पटेल,रमन कुमार, जय प्रकाश सिन्हा, चंदन कुमार, प्रवीर सिन्हा, कुणाल रॉय, स्वीटी पटेल, पूजा कुमारी, दिया कुमारी, दिव्या कुमारी, प्रीति कुमारी, रोशनी कुमारी, सुहानी कुमारी, शिक्षिका अलीशा परवीन, नित्यम कुमारी, प्राचार्य वीरेंद्र सिंह, मनीष कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

नाबालिग को बहला फुसलाकर भगाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र की एक नाबालिग को शादी के नियत से भगाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने रविवार को आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार थाना अंतर्गत उत्तर पलाशगाछी पंचायत के नाबालिग लड़की के दादा ने थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी नाबालिग पोती को बहला-फुसलाकर शादी के नियत से भगा ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। वादी ने आवेदन में आरोप लगाया था। फरक्का थाना क्षेत्र के धोडाई पाड़ा निवासी रोहित शेख ने उसकी नाबालिग पोती को शादी के इरादे से अपने साथ ले गया है। वही मामले को गंभीरता से लेते हुए राधानगर थाना पुलिस ने वादी के लिखित आवेदन के आधार पर कांड संख्या 84/26 दर्ज किया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त ठिकानों में छापेमारी कर आरोपी रोहित शेख को गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

लकड़ी माफियाओं ने विशालकाय कुसुम के पेड़ को अवैध से काटा

कार्रवाई न होना कहीं न कहीं विभाग और माफियाओं के बीच की सांठगांठ की ओर इशारा

संवाददाता

साहिबगंज/तालझारी : इलाके में वन संपदा की सुरक्षा दांव पर है।तालझारी अंचल क्षेत्र के अंतर्गत मिशन के समीप सक्रिय लकड़ी माफियाओं ने दुस्साहस का परिचय देते हुए एक विशालकाय कुसुम के पेड़ को अवैध रूप से काट डाला।हैरानी की बात यह है कि माफियाओं में न तो प्रशासन का भय दिखा और न ही कानून का।दिन-दहाड़े पेड़ की कटाई कर बिना किसी परमिट के लकड़ी को वाहनों पर लादकर गंतव्य तक पहुँचा दिया गया।लेकिन संबंधित विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा।सूचना के बाद भी कार्रवाई शून्य स्थानीय सूत्रों के अनुसार,इस अवैध कटाई की जानकारी तत्काल वनरक्षी पप्पू को दी गई थी।इसके

बावजूद मौके पर न तो कोई अधिकारी पहुँचा और न ही लकड़ी लदे वाहन को रोकने का प्रयास किया गया।वन विभाग की यह निष्क्रियता अब सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का कहना है कि सूचना देने के बाद भी कार्रवाई न होना कहीं न कहीं विभाग और माफियाओं के बीच की सांठगांठ की ओर इशारा करता है।माफियाओं के बढ़े हौसले बिना किसी डर-भय के की जा रही इस कटाई से स्पष्ट है। कि क्षेत्र में लकड़ी माफियाओं का मनोबल सातवें आसमान पर है।सरकारी नियमों को ठेंगा दिखाकर प्राकृतिक संपदा को लूटा जा रहा है।अगर समय रहते इन पर अंकुश नहीं लगाया गया।तो क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन पूरी तरह बिगड़ सकता है।

जनता के सवाल

आखिर किसके संरक्षण में फल-फूल रहा है अवैध लकड़ी का कारोबार ,सूचना मिलने के बाद भी वनरक्षी ने कार्रवाई क्यों नहीं की?,क्या उच्चाधिकारी इस मामले का संज्ञान लेकर दोषियों पर कानूनी कार्रवाई करेंगे?,इस मामले में अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और वन विभाग के वरीय अधिकारी इन माफियाओं के खिलाफ क्या रुख अपनाते हैं,या फिर इसी तरह ₹हरे सोने₹ की लूट जारी रहेगी।

यानिक सिनर ने जीता इंडियन वेल्स 2026 का खिताब, जोकोविच-फेडरर के खास क्लब में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली : कैलिफोर्निया में रविवार को खेले गए प्रतिष्ठित इंडियन वेल्स 2026 टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने रूस के दानिल मेदवेदेव को 7-6(6), 7-6(4) से हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स खिताब जीत लिया।

कैलिफोर्निया के रेगिस्तानी मौसम में खेले गए इस मुकाबले में सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान 28 विनर्स और 10 ऐस लगाए तथा नेट पर खेले गए सभी आठ अंकों में सफलता हासिल की।

इस जीत के साथ सिनर इतिहास में ऐसे तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने सभी छह एटीपी मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट खिताब जीते हैं। इस उपलब्धि के साथ वह टेनिस के दिग्गज नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर के विशेष क्लब में शामिल हो गए।

साल का यह उनका पहला खिताब है। इसके साथ ही वह 1990 के बाद पहले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार दो मास्टर्स 1000 खिताब बिना एक भी सेट गंवाए जीते हैं। पेरिस में पिछले वर्ष जीते खिताब से शुरू हुई उनकी जीत की लय इस श्रेणी में 11 मैचों तक पहुंच गई है।

मुकाबले का हाल

पहला सेट काफी रोमांचक रहा। मेदवेदेव ने आक्रामक शुरूआत करते हुए सिनर पर लगातार दबाव बनाया और स्कोर 6-5 तक पहुंचाया, लेकिन सिनर ने वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में इतालवी खिलाड़ी ज्यादा सटीक साबित हुए और 7-6(6) से पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। सिनर ने पांचवें गेम में बिना कोई अंक गंवाए ब्रेक लेकर 3-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मेदवेदेव ने हार नहीं मानी और स्कोर 6-6 कर दिया, जिससे मैच एक और टाईब्रेक में पहुंच गया।

टाईब्रेक में मेदवेदेव ने 4-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन सिनर ने शानदार वापसी करते हुए लगातार अंक हासिल किए और 7-4 से टाईब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद सिनर ने कहा, ह्लमैं लगातार विश्वास बनाए रखता रहा और अपने शॉट्स खेलने की कोशिश करता रहा। अगर तीसरा सेट होता तो मुकाबला बराबरी से शुरू होता, इसलिए मैंने मैच खत्म करने की पूरी कोशिश की और इस जीत से बेहद खुश हूं।ह्व

मेदवेदेव का शानदार सफर

मेदवेदेव ने टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। सेमीफाइनल में उन्होंने विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था और ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन की सीजन की 16 मैचों की जीत की लय को भी तोड़ दिया था।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज से बाहर हुए ईश सोढ़ी

माउंट माउंगानुई : न्यूजीलैंड के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान गेंदबाजी करते समय उनके अंगूठे में चोट लग गई थी और स्कैन में अंगूठा टूटने की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें पूरी तरह ठीक होने में करीब चार सप्ताह का समय लगेगा। टीम प्रबंधन के अनुसार, चोट के कारण सोढ़ी सीरीज के शेष मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इस बीच तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन दूसरे और तीसरे मैच के लिए टीम से जुड़ चुके हैं, जो क्रमशः हैमिल्टन और ऑकलैंड में खेले जाएंगे। चयनकताओं ने सोढ़ी की जगह किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया है। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अब मिचेल सैंटनर और कोल मैककॉन्ची संभालेंगे।

न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, ह्लईश न्यूजीलैंड के लिए खेलने को लेकर बेहद उत्साहित रहते हैं और विश्व कप अभियान के बाद घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए भी वे काफी उत्सुक थे। टी20 प्रारूप में उनका अनुभव टीम के लिए बहुत अहम है, इसलिए उनका बाहर होना निश्चित रूप से बड़ा नुकसान है।उन्होंने आगे कहा कि टीम को भरोसा है कि फर्ग्यूसन के जुड़ने के साथ-साथ सैंटनर और मैककॉन्ची अगले मुकाबलों में टीम की जरूरतों को पूरा करेंगे। सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए काटेने क्लार्क, डेन क्लीवर, जेडन लेनॉक्स और टॉम लैथम टीम से जुड़ेंगे। इन मैचों में कप्तानी की जिम्मेदारी भी लैथम संभालेंगे, जो सैंटनर की जगह टीम की अगुवाई करेंगे।

गौरतलब है कि सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम मात्र 91 रन पर सिमट गई थी और दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच आसानी से अपने नाम कर लिया।

किंग में शाहरुख संग

काम करने के लिए उत्सुक सौरभ शुक्ला, बोले- वे कमाल के इंसान हैं

मुंबई एक्टर सौरभ शुक्ला ने सुपरस्टार शाहरुख खान की करियर जर्नी और उनकी शानदार पर्सनैलिटी की जमकर तारीफ की है। 'बादशाह' और 'हे राम' जैसी फिल्मों में शाहरुख के साथ काम कर चुके सौरभ अपकमिंग फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि शाहरुख की जर्नी शानदार और दूसरों के लिए प्रेरणा है। सौरभ शुक्ला ने बताया, 'शाहरुख की जर्नी शानदार है। इतने सालों से वह इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं और जिस तरह से उन्होंने अपना करियर बनाया है, उस पोजीशन पर पहुंचे हैं, वह वाकई प्रेरणा देता है।' उन्होंने शाहरुख के व्यक्तित्व को लेकर कहा, 'एक इंसान के तौर पर वह हमेशा से बहुत चार्मिंग रहे हैं। आप उनसे मिलते हैं तो बस बात खत्म नहीं करना चाहते। वह अपने काम से प्रभावित करते हैं और बातचीत के दौरान आपको बहुत महत्व और खास महसूस कराते हैं। सौरभ ने आगे बताया, 'शाहरुख में लोगों से जुड़ने की खास काबिलियत है। बात करते वक्त ऐसा लगता है कि इस बातचीत में मेरी भी जरूरत है। यही अपनापन उन्हें सच में कमाल का बनाता है। वह बहुत कमाल के हैं।' 'किंग' एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें शाहरुख खान जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। फिल्म में शाहरुख खान, सौरभ शुक्ला के साथ अभिषेक बच्चन, दीपिका पादुकोण, शाहरुख की बेटी सुहाना खान और जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मेकर्स ने इसी साल जनवरी में 'किंग' की झलक दिखाते हुए प्रोमो जारी किया था, प्रोमो में शाहरुख खान जबरदस्त एक्शन करते नजर आए।

बांग्लादेश के रिव्यू को लेकर पाकिस्तान ने दर्ज कराई आधिकारिक शिकायत

एजेंसी

मीरपुर : पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ रविवार को खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान लिए गए विवादित रिव्यू को लेकर मैच रेफरी नेयामुर राशिद से आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। यह मामला मीरपुर में खेले गए मुकाबले के आखिरी ओवर से जुड़ा है, जिसमें ऑन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना के फैसले पर सवाल उठाए गए हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान टीम प्रबंधन का आरोप है कि बांग्लादेश ने आखिरी से दूसरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू का रिव्यू उस समय लिया जब उस गेंद का रिप्ले पहले ही स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया जा चुका था।

मुकाबले के उस समय पाकिस्तान को जीत के लिए दो गेंदों पर 12 रन की जरूरत थी। बांग्लादेश के गेंदबाज रिशाद हुसैन ने लेग स्टंप पर फ्लाइटेड गेंद डाली, जो लेग साइड की ओर घूमती हुई बल्लेबाज शाहीन शाह अफरीदी से दूर निकल गई। अंपायर ने इसे वाइड करार दिया।

इसके बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने आपस में चर्चा की और एलबीडब्ल्यू के लिए रिव्यू ले लिया, जबकि पहली नजर में गेंद अफरीदी के शरीर या पैरों के पास भी नहीं दिख रही थी।

सामान्य नियमों के अनुसार रिव्यू लेने का फैसला खिलाड़ियों को रिप्ले दिखने से पहले करना होता है, ताकि स्क्रीन पर दिखाई देने वाली जानकारी से निर्णय प्रभावित न हो। पाकिस्तान का आरोप है कि इस मामले में यह प्रोटोकॉल सही तरीके से नहीं अपनाया गया। उनका यह भी कहना है कि संभव है कि बांग्लादेश ने 15 सेकंड की तय समय-सीमा के बाद रिव्यू लिया हो, हालांकि प्रसारण में कोई टाइमर नहीं दिखाया गया, जिससे इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।

डीआरएस में जब मामला हॉक-आई तक पहुंचा तो पता चला कि गेंद बल्ले के निचले हिस्से से हल्का सा संपर्क कर गई थी। इस कारण वाइड का फैसला पलट दिया गया। हालांकि बांग्लादेश का रिव्यू असफल रहा, लेकिन वाइड हटने से समीकरण बदलकर पाकिस्तान के लिए आखिरी गेंद पर 12 रन रह गया।आखिरी गेंद पर अफरीदी स्टंप आउट हो गए और निराशा में उन्होंने बल्ला स्टंप्स पर मार दिया। इसके साथ ही बांग्लादेश ने यह मुकाबला 11 रन से जीत लिया और सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मैच रेफरी से क्या कार्रवाई चाहता है, लेकिन माना जा रहा है कि बोर्ड कम से कम इस मामले में गलती की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति की मांग कर सकता है। गौरतलब है कि इससे पहले दूसरे वनडे में भी पाकिस्तान को एक विवादित फैसले का सामना करना पड़ा था। उस मैच में सलमान आगा गेंद लौटाने के दौरान क्रीज से बाहर पाए गए और मेहदी हसन मिराज ने उन्हें रन आउट कर दिया। इस घटना के बाद मैदान पर दोनों खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसके चलते आगा पर एक डिमेरिट अंक और मैच फीस का 50 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया था, जबकि मिराज पर 20 प्रतिशत मैच फीस का जुमार्ना लगा था।

'द 50' से बाहर होने के बाद

निक्की तंबोली ने की क्रिप्टिक पोस्ट

निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी 'द 50' से बाहर हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हालिया पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने 'द 50' के कुछ प्रतियोगियों पर निशाना साधा है। जानिए, अपनी पोस्ट में निकी तंबोली ने क्या कहा? और कौन से प्रतियोगी पर वह निशाना साधा रही हैं।

अपनी पोस्ट में निकी तंबोली ने क्या लिखा?

निकी तंबोली ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, 'मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कोलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो। शायद ज्यादा काम आ जाए।' वह आगे लिखती हैं, 'गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे।'

63 साल की उम्र में राधिका सरथकुमार ने रचा इतिहास

राधिका सरथकुमार की फिल्म 'थाई किझावी' ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। इस फिल्म ने दुनियाभर में करोड़ों की कमाई कर कमाल कर दिया है।

63 साल की उम्र में राधिका सरथकुमार ने अपने अभिनय से कमाल कर दिखाया है। उनकी तमिल कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'थाई किझावी' ने दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह फिल्म बिना किसी पुरुष कलाकार के सफल हुई है।

50 करोड़ रुपये का आंकड़ा किया पार: यह सफलता इसलिए खास है क्योंकि तमिल सिनेमा को इस साल कोई बड़ी हिट फिल्म की जरूरत थी और यह फिल्म बिना किसी बड़े हीरो के आई है। स्ड्डष्ठ्ठद्यद्ग के अनुसार, इस फिल्म ने दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

'थाई किझवी' का अब तक का कलेक्शन: पहले दिन भारत में 'थाई किझवी' ने 2.65 करोड़ रुपये कमाए। वीकेंड में कमाई बहुत बढ़ी और शनिवार को 5 करोड़ और रविवार को 6.15 करोड़ रुपये की कमाई हुई। बाकी दिनों में भी रोज 1.7 करोड़ से ज्यादा कमाई होती रही। दूसरे हफ्ते में भी फिल्म का प्रदर्शन अच्छा रहा। वहीं इस फिल्म ने अब तक दुनियाभर में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है।

नॉर्थ जोन ने जीता आईडीसीए 7वीं वनडे नेशनल जोनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब

एजेंसी

इंदौर : इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) द्वारा आयोजित 7वीं वनडे नेशनल जोनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप का रविवार को समापन इंदौर में हुआ, जिसमें रोमांचक मुकाबलों के बाद नॉर्थ जोन ने खिताब अपने नाम किया, जबकि साउथ जोन उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में देश के पांच जोन की डेफ पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया।

फाइनल मुकाबले में नॉर्थ जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.1 ओवर में 120 रन बनाए। टीम की ओर से कुलदीप सिंह ने 31 रन की अहम पारी खेली। साउथ जोन की तरफ से यशवंत नायडू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ जोन ने 25.5 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। टीम की जीत में वैभव ने 42 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि रोहित सैनी ने गेंदबाजी में पांच विकेट लेकर अहम योगदान दिया।

चैंपियनशिप के अन्य मुकाबलों में सेंट्रल जोन ने ईस्ट जोन को 55 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल जोन ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन बनाए, जिसमें विराज कोल्टे ने 30 गेंदों में 50 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में ईस्ट जोन की टीम 18.1 ओवर में 132 रन पर सिमट गई। संजू शर्मा ने तीन विकेट लेकर सेंट्रल जोन की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि संतोष कुमार मोहापात्रा ने 34 रन बनाए।

व्यक्तिगत पुरस्कार:

मैन ऑफ द मैचः विवेक कुमार (नॉर्थ जोन), अमन चौकसे (सेंट्रल जोन)

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजः अभिषेक सिंह (ईस्ट जोन)

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजः विवेक कुमार (नॉर्थ जोन)

प्लेयर ऑफ द सीरीजः विवेक कुमार (नॉर्थ जोन)

समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. अतुल मलिकराम ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की, जबकि विशिष्ट अतिथि राखाल कुमार सेठी ने उपविजेता टीम को सम्मानित किया।

आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा कि इस चैंपियनशिप ने डेफ क्रिकेटरों की प्रतिभा और खेल के प्रति उनके समर्पण को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विशेष रूप से सक्षम खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

यह प्रतियोगिता 11 से 15 मार्च 2026 तक इंदौर स्थित द एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित की गई, जिसमें देशभर के डेफ क्रिकेटरों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

'आज मैं पिता बना हूं...'

रणदीप हुड्डा के घर में गूंजी किलकारी, पत्नी लिन ने बेबी गर्ल को दिया जन्म

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा के घर खुशियों ने दस्तक दी है। दरअसल, उनकी पत्नी लिन लैशराम ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। इस खबर के सामने आते ही परिवार और फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। इस खुशखबरी को रणदीप हुड्डा ने खुद सोशल मीडिया के जरिए साझा किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि उनके घर नन्ही परी ने जन्म लिया है। रणदीप हुड्डा ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में उनके पिता अपनी पोती को गोद में लिए हुए नजर आ रहे हैं। इस फोटो में उनके चेहरे पर मुस्कान साफ दिखाई दे रही है। तस्वीर के ऊपर तारीख लिखी हुई है - 10 मार्च 2026, जो इस बात की ओर इशारा करती है कि इसी दिन उनकी बेटी का जन्म हुआ है। दूसरी तस्वीर ब्लैक एंड व्हाइट है और उसमें नवजात बच्ची का छोटा सा मुट्ठी बंद हाथ नजर आ रहा है। यह तस्वीर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। इन तस्वीरों के साथ रणदीप हुड्डा ने एक दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'दादाजी और पोती को जन्मदिन की घणी बधाई। आज जब मैं खुद पिता बना हूं, तो पापा के लिए मेरा सम्मान और भी गहरा हो गया है, और सबसे जरूरी बात - लिन, मुझे पिता बनाने और हमारी छोटी बच्ची को इस दुनिया में लाने के लिए धन्यवाद। एक छोटी बच्ची और जिंदगी भर का प्यार। जैसे ही यह पोस्ट सोशल मीडिया पर सामने आया, फैंस ने कमेंट सेक्शन में बधाइयों की झड़ी लगा दी। कई लोगों ने 'कॉन्ग्रैचुलेशन्स', 'गॉड ब्लेस द बेबी', और 'नई जिंदगी की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं' जैसे कमेंट्स किए। कुछ फैंस ने बच्ची को 'लिटिल एंजल' और 'प्रिंसेस' कहकर अपनी खुशी जाहिर की।

सरकारी खरीदी की घोषणा के बाद भी खत्म नहीं हो रही आलू किसानों की मुश्किलें

एजेंसी

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले में आलू की अच्छी पैदावार होने के बावजूद किसान भारी संकट का सामना कर रहे हैं। राज्य सरकार ने सहायक मूल्य पर आलू खरीदने की घोषणा तो की है, लेकिन जमीनी स्तर पर खरीद की स्पष्ट व्यवस्था और जानकारी न मिलने से किसान असमंजस में हैं। जिले के प्रमुख आलू उत्पादन क्षेत्र चंद्रकोना में इस वर्ष आलू की अच्छी उपज हुई है। कृषि विभाग के अनुसार चंद्रकोना-एक ब्लॉक में लगभग आठ हेक्टेयर और चंद्रकोना-दो ब्लॉक में करीब 12 हेक्टेयर जमीन पर आलू की खेती हुई है। औसतन प्रति बीघा करीब 60 क्विंटल उत्पादन हुआ है।

सोमवार सुबह चंद्रकोना बाजार कृषक समिति सदस्य रामचंद्र घोड़ाई ने फोन पर बताया कि एक बीघा जमीन में आलू की खेती पर लगभग 30 से 35 हजार रुपये खर्च आया है, जबकि वर्तमान में आलू बेचकर केवल 15 से 17 हजार रुपये ही मिल पा रहे हैं। इस तरह किसानों को प्रति बीघा लगभग 12 से 15 हजार रुपये तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। खेत से ज्योति किस्म का आलू 280 से 300 रुपये प्रति क्विंटल और पोखराज किस्म का आलू 380 से 400 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है। किसानों के अनुसार व्यापारी आलू खरीदने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जिससे कई किसान मजबूर होकर खेत से ही कम दाम पर बिक्री कर रहे हैं। इस बीच आलू की पैकिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले बोरे की कीमत भी बढ़ गई है। कुछ दिन पहले तक एक बोरा आठ से 10 रुपये में मिलता था, जो अब बढ़कर करीब 23 रुपये हो गया है। इसके अलावा मजदूरों को बोराबंदी के लिए 35 से 40 रुपये प्रति बोरा देना पड़ रहा है, जिससे लागत और बढ़ गई है।

ईरान ने पहली बार इजराइल पर दागी सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल, कहा-

अमेरिका से युद्धविराम की पेशकश नहीं की

एजेंसी

तेहरान : अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध का आज 17वां दिन है। ईरान ने रविवार को इस लड़ाई में पहली बार इजराइल पर 'सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल' से हमला किया। यह जानकारी ईरान इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की न्यूज एजेंसी तसनीम ने दी। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कल कहा कि ईरान ने न तो युद्धविराम की मांग की है और न ही अमेरिका से बातचीत की पेशकश की है। जब तक जरूरत होगी ईरान अपनी रक्षा करता रहेगा। आईआरजीसी ने कहा कि सेजिल के माध्यम से इजराइल के सैन्य और रक्षा सुविधा को निशाना बनाया गया है। यह मिसाइल 2000-2500 किलोमीटर तक हमला कर सकती है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के

आक्रामक युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार है जब सेजिल मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। आईआरजीसी जनसंपर्क कार्यालय के अनुसार, इस हमले के दौरान अन्य मिसाइलों का भी प्रयोग किया गया। 28 फरवरी के हमलों में पूरे ईरान में सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया गया। इससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ और बुनियादी ढांचे को व्यापक क्षति पहुंची है। इसके जवाब में ईरानी सशस्त्र बलों ने युद्ध शुरू किया है। वहीं, अमेरिकी न्यूज चैनल सीबीएस न्यूज को दिए साक्षात्कार में ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कल कहा कि ईरान ने न तो युद्धविराम की मांग की है और न ही अमेरिका से बातचीत की कोशिश की है। जब तक जरूरत होगी ईरान खुद की रक्षा करता रहेगा। उन्होंने कहा कि ईरान इस संघर्ष में पीछे हटने वाला नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह स्वीकार करना होगा कि यह युद्ध न्यायसंगत नहीं है। जब तक वह स्वीकार नहीं करते, तब तक ईरान जवाब देता रहेगा। अराघची ने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद देश की परमाणु सामग्री जमीन के नीचे दब गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस सामग्री को शायद निकाला जा सके, लेकिन अभी यह पहुंच से बाहर है। ईरान की फिलहाल इसे वापस निकालने की कोई योजना नहीं है। अराघची ने कहा कि हालिया तनाव बढ़ने से पहले, अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान ईरान अपनी अत्यधिक समृद्ध सामग्री के भंडार को कम करने के लिए पहले तैयार था।

छग विस में प्रश्नकाल , ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, याचिकाओं की प्रस्तुति और वित्तीय वर्ष 2026-27 की अनुदान मांगों पर होगी चर्चा

एजेंसी

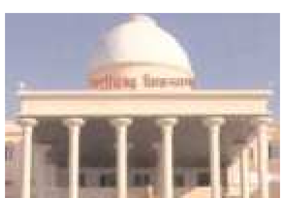

रायपुर : छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सोमवार 16 मार्च को प्रश्नकाल के बाद ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, याचिकाओं की प्रस्तुति और वित्तीय वर्ष 2026-27 की अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। इस दौरान विभिन्न विभागों के बजट प्रावधानों पर चर्चा के साथ सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने की संभावना है। विधानसभा की कार्यवाही की शुरूआत प्रश्नकाल से होगी। र खाद्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़े सवालों पर मंत्रियों द्वारा जवाब दिए जाएंगे। सत्र के दौरान राज्यपाल द्वारा लौटाए गए एक विधेयक की सूचना भी सदन में पढ़ी जाएगी, जिसे लेकर सदस्यों के बीच चर्चा होने की संभावना है। सदन में नियम 138(1) के तहत दो महत्वपूर्ण ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाए जाएंगे. विधायक धरमलाल कौशिक छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा सामग्री आपूर्ति में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाएंगे और इस पर ग्रामोद्योग मंत्री का ध्यान आकर्षित करेंगे। वहीं विधायक बलेश्वर साहू प्रदेश में मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना में कथित अनियमितताओं का मुद्दा सदन में रखेंगे और श्रम मंत्री से इस पर जवाब मांगेंगे। विधानसभा की कार्यवाही में याचिकाओं की प्रस्तुति भी की जाएगी। विधायक रिकेश सेन, इंद्र शाह मंडावी और अटल श्रीवास्तव सदन में याचिकाएं प्रस्तुत करेंगे।इनमें वैशाली नगर क्षेत्र में उप पंजीयक भवन और पशु चिकित्सालय भवन निर्माण की मांग शामिल है। वहीं बिलासपुर क्षेत्र में पुलिया निर्माण और उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग से जुड़ी याचिकाएं भी सदन में रखी जाएंगी।

विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की अनुदान मांगों पर भी विस्तृत चर्चा होगी। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से संबंधित विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा होगी, जिसमें अनुसूचित जाति कल्याण, पंचायत संस्थाओं को वित्तीय सहायता और कौशल विकास विभाग शामिल हैं। इसके अलावा संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप से जुड़े विभागों में वन एवं जलवायु परिवर्तन, सहकारिता, राज्य विधान मंडल और परिवहन विभाग की अनुदान मांगों पर भी चर्चा प्रस्तावित है। सदन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विभागों से जुड़े बजट प्रावधानों पर भी चर्चा की जाएगी।

ऊंटों की घटती संख्या पर हाईकोर्ट ने जताई चिंता

जयपुर : राजस्थान उच्च न्यायालय ने ऊंटों की घटती संख्या पर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऊंटों की घटती संख्या को लेकर सरकार गंभीर नहीं है, अदालती आदेश के बावजूद पैरवी के लिए महाधिवक्ता नहीं आ रहे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सरकार 27 मार्च को ऊंटों की घटती संख्या और उसके संरक्षण के प्रयासों के बारे में स्थिति स्पष्ट करे। न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी व न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने ऊंटों की घटती संख्या के बारे में स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका पर यह आदेश दिया।
कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जाहिर की कि कानून में संशोधन के बाद ऊंटों की संख्या में कमी आई है। न्यायमित्र अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि ऊंट लगातार घट रहे हैं। अदालती आदेश के बावजूद न तो महाधिवक्ता पैरवी के लिए आ रहे हैं और न ही इस ओर सरकार का ध्यान है। ऊंटों की पिछले कुछ साल से तो गणना ही नहीं हुई। कानून में सरकार ने कलक्टर को नोडल एजेंसी बना रखा है, ऐसे में कोई ऊंटों को बाहर चराने के लिए भी ले जाए तो अनुमति लेना मुश्किल है।

हिमाचल में बर्फबारी से लौटी ठंड, अटल टनल के पास वाहन फंसे, 20 मार्च तक अलर्ट

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में मार्च के मध्य एक बार फिर ठंड लौट आई है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है। मौसम के इस बदले मिजाज से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और राज्य का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में राज्य का औसत न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है, जबकि यह सामान्य से करीब 0.6 डिग्री कम दर्ज किया गया है। प्रदेश के कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सराहन में सबसे अधिक 29.5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि सलूणी में 32 मिमी बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा भावानगर में 29 मिमी, रामपुर में 28 मिमी, कटौला में 23.4 मिमी, भटियात में 23.1 मिमी, मनाली में 22 मिमी और भरमौर में 20.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मंडी में 14.6 मिमी, बरठीं में 14.2 मिमी और शिमला में 12.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। ऊंचे इलाकों में बर्फबारी का दौर आज भी जारी है। खदराला में 10.2 सेंटीमीटर ताजा बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि कल्पा में 6.4 सेंटीमीटर बर्फ गिरी। इसके अलावा गोंदला और जोत में करीब 3-3 सेंटीमीटर व कुकुमसेरी में 1.5 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई। मौसम विभाग के अनुसार ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी का यह दौर अभी जारी रह सकता है।

कोलाघाट में ड्रेजिंग से लौटे हिलसा के झुंड, मछुआरों के चेहरे खिल उठे

एजेंसी

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के कोलाघाट क्षेत्र में रूपनारायण नदी में किए गए ड्रेजिंग कार्य का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। सोमवार सुबह स्थानीय मछुआरों से मिली जानकारी के अनुसार, बरसात से पहले ही नदी में हिलसा मछलियों के झुंड मिलने लगे हैं, जिससे स्थानीय मछुआरों में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय मछुआरों ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से नदी की गहराई बढ़ाने के लिए ड्रेजिंग का काम चल रहा है। इसका सीधा असर यह हुआ कि समुद्र से हिलसा के झुंड फिर से नदी में प्रवेश करने लगे हैं। स्थानीय मछुआरों के अनुसार, एक नाव में प्रतिदिन औसतन आठ से दस किलो हिलसा पकड़ी जा रही है। बाजार में इसकी कीमत 1400 से 1600 रुपये प्रति किलो तक है। स्थानीय वरिष्ठ मछुवार अनादि मुदी ने कहा कि नदी में गाद जमा होने और प्रदूषण के कारण पिछले कई वर्षों से रूपनारायण में हिलसा लगभग गायब हो गई थी। इससे कई मछुआरों को मजबूरी में दूसरे कामों की ओर रुख करना पड़ा था। मछली व्यवसायी अनूप नाथ ने बताया कि उनकी नाव में हाल के दिनों में 10 से 15 किलो हिलसा पकड़ी जा रही है, और एक मछली का वजन लगभग एक से 1.2 किलो है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर दी शुभकामनाएं

भोपाल : आज यानि सोमवार को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर प्रदेश के नागरिकों को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने टीकाकरणअभियान और स्वस्थ नागरिकों को समृद्ध देश का आधार बताया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा-राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस की हार्दिक बधाई। स्वस्थ नागरिक ही समृद्ध देश का आधार हैं। इसमें टीकाकरण की अहम भूमिका है। माताओं और शिशुओं के समयबद्ध टीकाकरण से देश के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। टीकाकरण अभियान में शामिल समस्त टीम और संस्थाओं को इस अवसर पर मेरी शुभकामनाएं।
उल्लेखनीय है कि भारत में हर साल 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य संक्रामक रोगों को रोकने और जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। भारत में पहली बार इस दिवस को मनाने की शुरूआत 1995 में ओरल पोलियो वैक्सीन की खुराक के साथ शुरू हुई थी।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला जीएसपी क्रॉप साइंस का आईपीओ, 24 मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली : एग्रोकेमिकल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 18 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 20 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 304 रुपये से लेकर 320 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 46 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 46 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,720 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,91,360 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 598 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.25 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 240 करोड़ रुपये के 75 लाख नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 17.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 55.54 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 81.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सोना और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,650 रुपये से लेकर 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,46,340 रुपये से लेकर 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सराफा बाजार में 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,800 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ गई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे ये दोनों सूचकांक रिकवरी कर हरे निशान में पहुंचने में सफल रहे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रात: 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ग्रासिम इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, इंटरग्लोब एवियशन और टाटा स्टील के शेयर 2.47 प्रतिशत से लेकर 1.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, कोल इंडिया, ओएनजीसी, मैक्स हेल्थकेयर और डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज के शेयर 1.63 प्रतिशत से लेकर 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,045 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 882 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,163 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 148.13 अंक की कमजोरी के साथ 74,415.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही पहले पांच मिनट में ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण यह सूचकांक गिर कर 74,384.61 अंक के स्तर तक आ गया।

न्यूज IN ब्रीफ

इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा जीतेगी: दिलीप घोष

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत होगी, ऐसा दावा पार्टी नेता दिलीप घोष ने किया है। सोमवार सुबह कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिलीप घोष ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग को भरोसा है कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होंगे। उन्होंने कहा, ह्लहम भी आश्वस्त हैं कि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से होगा ह्व
दो चरणों में चुनाव कराए जाने के सवाल पर घोष ने कहा कि गर्मी के मौसम में कई चरणों में चुनाव होने से आम लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि चुनाव लंबा खिंचने पर समस्याएं बढ़ती हैं। घोष ने यह भी दावा किया कि इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जीत मिलेगी।

नंदीग्राम में माकपा की जगह सीपीआई चुनावी मुकाबले में

मेदिनीपुर : पूर्व मेदिनीपुर जिले में अब वाम मोर्चा (सीपीआईएम) का प्रभाव न के बराबर है। अब खबर मिली है कि नंदीग्राम विधानसभा और जिले की तीन अन्य सीटों पर अब सीपीएम अपने साथी दल सीपीआई को उम्मीदवारी देने वाली है। पिछले चुनाव में नंदीग्राम में बाम उम्मीदवार मिनाक्षी मुखोपाध्याय मैदान में थीं, लेकिन उन्हें जीत नहीं मिली। इस बार सीपीएम ने नंदीग्राम समेत चार सीटों पर सीपीआई को उम्मीदवार देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा कांथी दक्षिण, पोटाशपुर और तमलुक विधानसभा सीटों पर भी सीपीआई उम्मीदवार खड़े होंगे। सीपीएम के पूर्व मिदनापुर जिला सचिव निरंजन सिही के अनुसार, ह्लनंदीग्राम समेत चार सीटों पर हमारे साथी दल सीपीआई उम्मीदवार देंगे। पिछली बार ममता बनर्जी और शुभेंदु अधिकार जैसे प्रभावी उम्मीदवारों के कारण हमने उम्मीदवार दिया था, अब हम सीपीआई को अवसर दे रहे हैं। वाम नेताओं के एक गुट का कहना है कि पिछले चुनाव में हारने के बाद वाम वोट वापस लाने की चुनौती सीपीएम नहीं ले पाया, इसलिए इस बार सीपीआई को मौका दिया गया है। वहीं तृणमूल नेताओं का तंज है कि यह जटिल गठबंधन बीजेपी को फायदा पहुंचाने वाला है, लेकिन नंदीग्राम में तृणमूल की जीत सुनिश्चित है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि फिलहाल सीपीएम अकेले लड़ने की स्थिति में नहीं है, इसलिए गठबंधन बनाकर शासन दल को चुनौती देने की रणनीति अपना रही है। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है विपक्षी कुछ भी कर लें आने वाले चुनाव में भाजपा को रोक नहीं सकेगी।

पश्चिम बंगाल में प्रशासन का राजनीतिकरण : शमीक भट्टाचार्य

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में चुनाव की घोषणा के कुछ ही घंटों में राज्य के शीर्ष प्रशासनिक पदों में बदलाव किया गया। मुख्य सचिव पद से नंदिनी चक्रवर्ती को हटा दिया गया और राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीना को भी पदमुक्त किया गया।
भाजपा के राज्य अध्यक्ष और सांसद शमीक भट्टाचार्य ने इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोमवार सुबह कहा, श्पश्चिम बंगाल में प्रशासन का राजनीतिकरण किया जा रहा है। राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह अनुपस्थित है। जनता की सुनी नहीं जा रही। यहां चुनाव से पहले और बाद में हिंसा होती रहती है, और जनता को पश्चिम बंगाल प्रशासन की जिम्मेदारियों का ज्ञान है। इसलिए, चुनाव आयोग ने सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम उठाया।

किश्तवाड के डांगदारो एचआरटी प्रोजेक्ट में भूस्खलन से दो लोगों की मौत, बचाव अभियान जारी

किश्तवाड : सोमवार को किश्तवाड जिले के डांगदारो इलाके में एक एचआरटी प्रोजेक्ट स्थल पर हुए भूस्खलन में एक वाहन के दब जाने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि डांगदारो स्थित प्रोजेक्ट स्थल पर भूस्खलन हुआ जिसमें कई लोग मलबे के नीचे दब गए। घटना के तुरंत बाद बचाव दल ने अभियान शुरू किया। रेड क्रॉस सोसाइटी किश्तवाड इकाई से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक मलबे से दो शव बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान डोडा निवासी शाहनवाज अहमद और किश्तवाड जिले के पालमार निवासी निशात अहमद के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि भूस्खलन से वाहन के दबने के बाद कुछ लोगों के लापता होने की आशंका है। घटनास्थल पर बचाव और तलाशी अभियान जारी है और टीमें अन्य संभावित पीड़ितों की तलाश में लगी हुई हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

शिमला : दो घरों से लाखों के आभूषण और नकदी चोरी

शिमला : शिमला जिले के कुमारसैन थाना क्षेत्र में एक ही रात में दो घरों में चोरी की घटना सामने आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और चोरों की तलाश की जा रही है। कुमारसेन के चलान गांव निवासी शिकायतकर्ता मोहन लाल डोगरा (58) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 मार्च की रात वह अपने परिवार के साथ घर पर मौजूद थे। रात करीब 9:30 बजे परिवार के सभी सदस्य सो गए थे। अगली सुबह 15 मार्च को करीब सात बजे उनकी पत्नी घर में झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान जब वह पूजा वाले कमरे में पहुंचीं तो देखा कि वहां रखा ट्रंक गायब था। इसके बाद परिवार ने ट्रंक की तलाश शुरू की। कुछ दूरी पर घर से करीब 150 मीटर दूर सड़क के किनारे झाड़ियों में ट्रंक पड़ा मिला, जबकि उसका सामान बिखरा हुआ था। शिकायत के अनुसार ट्रंक में रखे कई कीमती सामान गायब थे। इनमें सोने का एक मंगलसूत्र, सोने की दो अंगूठियां, कान के टॉप्स की एक जोड़ी, सोने की दो नथ की तीलियां, सोने के झुमके की एक जोड़ी, चांदी की दो जोड़ी पायल, एक चांदी की चेन, चांदी का एक गिलास, एक छोटी चांदी की चम्मच और करीब 10 हजार रुपये नकद शामिल थे। वहीं, पुलिस के मुताबिक इसी रात गांव लवाण में ही रहने वाले एक अन्य व्यक्ति पूर्ण चंद के घर में भी चोरी की घटना हुई है। शिकायत के अनुसार उनके घर से तीन चैन वाला सोने का मंगलसूत्र, सोने की चार अंगूठियां (तीन महिलाओं और एक पुरुष की), सोने के गहनों की अन्य जोड़ी और करीब 40 हजार रुपये नकद चोरी हो गए। दोनों घटनाओं के सामने आने के बाद पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 व 331(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की जांच कुमारसैन थाना की महिला मुख्य आरक्षी सविता को सौंपी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में पूछताछ कर रही है और चोरों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि दोनों घटनाएं एक ही रात में और एक ही इलाके में हुई हैं, इसलिए इन्हें जोड़कर भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में सुराग जुटाए जा रहे हैं और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी।

गोबर गैस से जल रहे चूल्हे: औरैया के परवाह गांव ने पेश की आत्मनिर्भरता की मिसाल

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में भाग्यनगर ब्लॉक के ग्राम परवाह में ग्रामीणों ने आत्मनिर्भरता की एक अनोखी मिसाल पेश की है। देश के कई हिस्सों में जहां लोग एलपीजी गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारों में खड़े दिखाई देते हैं, वहीं इस गांव के कई परिवार वर्षों से गोबर गैस का उत्पादन कर अपनी रसोई चला रहे हैं। गांव के लोगों ने स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए ऐसा मॉडल विकसित किया है, जिससे उन्हें गैस की कमी या बढ़ती कीमतों की चिंता नहीं रहती। ग्रामीणों के अनुसार गांव में ही गोबर से गैस तैयार करने की व्यवस्था की गई है। इस गैस का उपयोग रोजमर्रा के भोजन बनाने में किया जाता है। इससे न केवल रसोई का काम आसान हो गया है, बल्कि आर्थिक रूप से भी यह काफी किफायती साबित हो रहा है। गांव के लोगों का कहना है कि यदि गोबर गैस प्लांट की समय-समय पर सही तरीके से देखभाल की जाए, तो यह लंबे समय तक पर्याप्त गैस उपलब्ध कराता है। गोबर गैस के इस्तेमाल से चूल्हे के धुएं से भी राहत मिलती है, जिससे रसोई का वातावरण साफ और स्वस्थ रहता है। साथ ही महिलाओं को धुएं से होने वाली परेशानियों से भी छुटकारा मिला है। ग्रामीण बताते हैं कि इस पहल की शुरूआत करीब दस वर्ष पहले गांव के कुछ किसानों ने की थी। उन्होंने अपने घरों में भूमिगत टैंक बनाकर मवेशियों के गोबर से गैस तैयार करने का प्रयोग शुरू किया था। शुरूआत में यह प्रयोग सीमित परिवारों तक ही था, लेकिन जब इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए तो धीरे-धीरे अन्य ग्रामीण भी इससे जुड़ते चले गए। वर्तमान समय में करीब 60 परिवारों की आबादी वाले इस गांव में लगभग 20 गोबर गैस प्लांट स्थापित हो चुके हैं, जिनसे कई घरों के चूल्हे जल रहे हैं। गोबर गैस से निकलने वाला अवशेष भी बेकार नहीं जाता। इसका उपयोग खेतों में जैविक खाद के रूप में किया जा रहा है, जिससे फसलों की पैदावार में भी सुधार हो रहा है और रासायनिक खाद पर निर्भरता कम हो रही है।
ग्रामीण रामआसरे ने बताया कि वह पिछले दस वर्षों से गोबर गैस का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि कृषि विज्ञान केंद्र और गेल की ओर से गांव में ये प्लांट लगाए गए थे।

न्यूज IN ब्रीफ

आंध्र तेलुगु समाज चक्रधरपुर के द्वारा नव वर्ष पर मिलन समारोह का आयोजन

चक्रधरपुर : उगदी उत्सव 2026 के अवसर पर 19 मार्च को महात्मा गॉंधी उद्यान आर ई कॉलोनी चक्रधरपुर में आंध्र तेलुगु समाज ने नववर्ष पर मिलन समारोह का आयोजन किया है। इस में संदर्भ कार्यक्रम की जानकारी देते हुए वार्ड पार्षद एस पुष्पलता ने कहा कि-
नववर्ष सभी के लिए है उत्साह, प्रसन्नता एवं हर्ष
कार्यक्रम में लोगों की उपस्थिति आपसी स्नेह और भाईचारा को भी बढ़ाता है जो हमारे आपसी एक जुटता का भी परिचायक है। उन्होनें कहा कि- नववर्ष सभी के लिए मंगलदायक और बेहतर हो यही आंध्र तेलुगु समाज की शुभ कामना है।

50 वर्षीय व्यक्ति को पीट-पीट कर किया घायल, इलाज के दौरान मौत

हुसैनबाद : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के पतरा कला गांव निवासी 50 वर्षीय जगनारायण यादव पर रविवार शाम चार-पांच लोगों ने लाठी-डंडे व लोहे की रॉड से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल जगनारायण यादव को अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद से मेदिनीनगर और फिर रांची रिम्स रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि बराही से जमीन देखकर लौटने के दौरान चौवा चट्टान गांव के पास अपने ही गोतिया परिवार के लोगों ने उन पर हमला किया। दो सप्ताह पहले रास्ते को लेकर अपने गोतिया परिवार से विवाद हुआ था। जिसके बाद थाना भी मामला पहुंचा था, पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच में जुट गई है।

मारपीट को लेकर थाने में की शिकायत

साहिबगंज : गंगा नदी थाना क्षेत्र के शोभनपुर दियरा निवासी राम पुकार पासवान की पत्नी लीला देवी ने गांव के ही रहने वाले एक परिवार के ऊपर मारपीट करने को लेकर गंगा नदी थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाई है। जिसमें लीला देवी ने बताया कि खेत से पशु कर घर वापस आए थे तो देखा कि हरिराम पासवान और उसकी पत्नी मेरे बच्चों को गाली गलौज कर रहे हैं जब मैं गाली देने से मना किया तो हरे राम पासवान ने मुझे पकड़ लिया और अभद्र व्यवहार करने लगा और मेरे साथ मारपीट करने लगा मारपीट के दौरान आपके नशे में धूत हरे राम ने मेरे दाहिने हाथ की उंगली दांत से काट लिया और उसकी पत्नी लात मुक्का से मुझे करने लगी। इसी दौरान मेरे पति काम पर से वापस घर आए तो देखा कि वह लोग वह लोग मुझे मार रहे हैं मेरे पति ने बीच बचाव किया तो उसे भी वह दोनों मिलकर करने लगे। संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रवेश परीक्षा 2026 शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त सम्पन्न

दुमका : डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका में कक्षा 6, 7, 8 एवं 9 में नामांकन हेतु प्रवेश परीक्षा 2026 रविवार को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त सम्पन्न हो गया। प्रभारी प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक महेन्द्र राज हंस ने बताया कि झारखण्ड शिक्षा परियोजना निदेशक के निदेर्शानुसार विद्यालय में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।श्री राजहंस ने बताया कि प्रवेश परीक्षा शान्तिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त सम्पन्न हुआ।कहा कि इस प्रवेश परीक्षा में सफल होने वाले परीक्षार्थियों का मेधासुची एवं आरक्षण रोस्टर के आधार पर नामांकन लिया जाएगा।बताया कि डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका एक ऐतिहासिक उत्कृष्ट विद्यालय है जहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नवीन शिक्षण विधि एवं अंग्रेजी माध्यम से विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा शिक्षा दी जाती है।परीक्षा नियंत्रक निवास रजक ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए कक्षा 6 हेतु कुल आवंटित 390 परीक्षार्थियों में 325 उपस्थित एवं 65 अनुपस्थित थे। कक्षा 7 हेतु कुल आवंटित 34 परीक्षार्थियों में 10 उपस्थित एवं 24 अनुपस्थित थे। कक्षा 8 में कुल आवंटित 39 परीक्षार्थियों में 26 उपस्थित एवं 13 अनुपस्थित थे। कक्षा 9 हेतु कुल आवंटित 215 परीक्षार्थियों में 185 उपस्थित एवं 30 अनुपस्थित थे। उत्कृष्ट विद्यालय डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका में नामांकन हेतु प्रवेश परीक्षा में भाग लेने के लिए बच्चे काफी उत्सुक दिखाई दे रहे थे।परीक्षा के सफल संचालन में परीक्षा नियंत्रक निवास रजक, इंटर संकाय प्रभारी मुदस्सर सुल्तान, शिक्षक अमित कुमार पाण्डेय, संजीव कुमार सिंह, स्नेहलता मराण्डी, रुपेश कुमार झा, प्रदीप कुमार,संजय कुमार सिन्हा, जमाल नासीर,अर्चना कुमारी,प्रकाश कुमार घोष, शिवराम सिमोन टुडू,विक्रम कुमार, सुशीला किस्कू, कृष्णा कुमारी,पवन कुमार, जयंत स्नेही,तरन्नुम परवीन, काजल किरण,सुनन्दा कुमारी, सपना हेम्ब्रम,सरफराज अहमद, सुमन कुमारी, प्रिया हेम्ब्रम, रानी स्वेत निशा देहरी, माधवी लता,आराधना यादव,महेश गुप्ता, रेशु स्मिता आनन्द एवं गंगाधर हेम्ब्रम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मोहना टोली में पांच कुंडी गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन, उमड़ी भीड़

खूंटी : जिले के मोहना टोली में मुहल्ले वासियों के सहयोग से पांच कुंडी गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के काफी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल हुए और पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सारे तीर्थ धाम आपके चरणों में, हे गुरुदेव प्रणाम आपके चरणों में जैसे भक्ति संगीत से की गई, जिससे पूरा माहौल श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हो गया। इस अवसर पर शांतिकुंज हरिद्वार से प्रशिक्षित परिव्राजक चंदन मोदी ने वेदमंत्रों के सस्वर उच्चारण के साथ पूरे यज्ञीय कर्मकांड को संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान गुरु आवाहन, मां गायत्री आवाह्न और देव आवाह्न के साथ विधिवत कर्मकांड की शुरूआत की गई।
इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं ने गायत्री महामंत्र और महामृत्युंजय मंत्र के उच्चारण के साथ यज्ञकुंड में आहुतियां अर्पित कीं। इस दौरान परिव्राजक चंदन मोदी ने यज्ञ की महिमा और इसके जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संपूर्ण प्रकृति प्रतिक्षण यज्ञ करती है और यह हमें भी यज्ञमय जीवन जीने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम का समापन पूणार्हुति और आरती के साथ किया गया।

एलपीजी की उपलब्धता को लेकर डीसी के निर्देश पर एसडीएम ने किया जांच

नियम संगत वितरण करें एजेंसी, नहीं तो भंडारण वितरक दोनों पर होगा कार्रवाई : एसडीएम

हुसैनाबाद में गैस के लिए घण्टों धूप में खड़ा रहे उपभोक्ता, एजेंसी की माननी का लगाया आरोप

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर : देश भर में घरेलू रसोई हेतु एलपीजी गैस सिलेंडर की मची हाहाकार के बाद बीते दिनों पलामू जिले के उपायुक्त एस समीरा ने आवश्यक बैठक कर जिले में घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को लेकर सभी एसडीएम व बीडीओ को सुचारू रूप वितरण कराने का निर्देश दी हैं ।वहीं हुसैनाबाद अनुमण्डल क्षेत्र में गैस सिलेंडर को लेकर उपभोक्ताओं में भ्रम की स्थिति बनी है ,इंडियन गैस एजेंसी देवरी रोड में लोगो की लम्बी कतार देखी गयी,घण्टो घण्टा लोग धूप में खड़ा रहे,कुछ उपभोक्ताओं ने तो सीधा एजेंसी पर वितरण को लेकर मनमानी का आरोप लगाया लोगों का कहना हैं कुछ उपभोक्ता एजेंसी के कर्मियों व बिचौलियों से मिलकर आसानी से गैस सिलेंडर ले जा रहे हैं जबकि साधारण उपभोक्ता घण्टो घण्टा अपना घर अन्य कार्य को छोड़कर लाइन में लगे है इसके बाद भी गैस नही मिल रही हैं जबकि कलाबजारी करने वाले लोग निर्धारित मूल्यों से अधिक रुपये में गैस बेच रहे हैं जो जांच का विषय हैं। इसकी सूचना हुसैनाबाद अनुमण्डल पदाधिकारी गौरांग महतो को मिलते ही उन्होंने रविवार को देवरी रोड स्थित गैस गोदाम पंहुचे और वितरण की अनियमितता को जांच किया इस दौरान उन्होंने स्वामी इंडेन गैस एजेंसी के मालिकिन व वितरक मैनेजर को कड़ी चेतावनी दिया कि उपभोक्ताओं में विभिन्नता करने या भण्डार की कलाबाजरी किया गया तो नियमानुसार उक्त दुकानदार व वितरण एजेंसी पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी उन्होंने यह भी कहा सभी लाइन में खड़े लोगो को सुलभ तरीका से गैस का वितरण करें इस दौरान उन्होंने अंचलाधिकारी पंकज कुमार व थाना को निगरानी रखने का निर्देश दिया हैं।उन्होंने बीडीओ व सीओ को बाजार में आचौक निरीक्षण करने व पकड़े जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया हैं।

जान मारने की दी धमकी

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदन शाही बड़ा तौकीर निवासी मेहनुर अंसारी ने जान मारने की नीयत से मारपीट करने को लेकर कुछ लोगों पर आरोप लगाते हुए जिरवाबाड़ी थाना में आवेदन देकर प्राथमिक की दर्ज करवाया है। आवेदन में मेहनुर अंसारी ने बताया कि मेरा 16 वर्षीय पुत्र नाजिद अंसारी ,महिरूद्दीन अंसारी के घर के पास से गुजर रहा था। तभी वहां पर बैठे फैसल अंसारी ने मेरे पुत्र को फ्री फायर गेम खेलने के लिए बुलाया। लेकिन मेरे पुत्र नाजिद ने गेम खेलने से मना कर दिया। इसी दौरान फैसल अंसारी ने मेरे पुत्र को बहरेमी से मरने लगा और जान मारने की नीयत से उसके गर्दन पर पैर रखकर चढ़ गया बुरी तरह से घायल हो गया। लोगों ने इस घटना का वीडियो भी बनाया और वायरल भी कर दिया। वायरल वीडियो से इस घटना की मुझे जानकारी मिली फिर मैं अपने पुत्र से पूछा तो पूरी घटना के बारे में जानकारी दिया। जब उन लोगों से पूछने गया तो नाजिद और उसके पिता ने हम लोगों को जान मारने की धमकी दी है।

चिरकुंडा के नये थाना प्रभारी के रूप में आशुतोष कुमार ने दिया योगदान

बिनय मिश्रा

2012 बैच के पुलिस निरीक्षक आशुतोष कुमार ने धनबाद जिला के चिरकुंडा थाना में थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया।
श्री कुमार झारखंड के तेज तर्रार कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं । पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी आशुतोष कुमार इससे पूर्व चाईबासा जिला के मुफ्सिल थाना के थाना प्रभारी के रुप में पदस्थापित रहें तत्पश्चात लातेहार जिला में पद स्थापना के दौरान चंदवा थाना के थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक के रूप में काफी लोकप्रिय रहे।इनके बेहतर और उत्कृष्ट कार्यों के फलस्वरूप इनकी लोकप्रियता आज भी बनी हुई है।
धनबाद जिला में पद स्थापना के पश्चात धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने उन्हें चिरकुंडा थाना का दायित्व सौंपा है। श्री कुमार ने नव पदस्थापना स्थल पर योगदान देने के साथ अपनी प्राथमिकता के बारे में बताया कि बेहतर विधि व्यवस्था और पूरे क्षेत्र में लोग शांतिपूर्वक बेहतर ढंग से जीवन यापन करें यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है इसके अलावे अपराध नियंत्रण और अपराधियों की धर पकड़ के लिए पुलिस के मुहिम जारी रहेगी किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई समस्या या कठिनाई हो तो वह थाना आकर अपनी बात कह सकते हैं चिरकुंडा पुलिस तत्क्षण कार्रवाई करेगी आम लोगों के बीच पुलिस के बेहतर छवि और सहयोगी के रूप में पहचान और प्रगाढ़ संबंध बने यह भी उनकी प्राथमिकता में शामिल है विदित हो कि पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी आशुतोष कुमार झारखंड के लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं।

विश्रामपुर नगर परिषदः नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सभी वार्ड पार्षदों ने लिया शपथ

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर : नगर पालिका (आम) निर्वाचन के निमित्त आज विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय के सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह- उपायुक्त समीरा एस के द्वारा विश्रामपुर नगर परिषद के निर्वाचित अध्यक्ष गीता देवी और 20 वार्ड के पार्षदों को पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण करायी।उपायुक्त ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्रामपुर नगर परिषद के विकास और नागरिकों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रतिनिधि निष्पक्षता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।उन्होंने विश्रामपुर अंतर्गत विकास योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन को लेकर स्थानीय नगर प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने की बात कही।मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी रतन सिंह,सीओ राकेश तिवारी समेत अन्य मौजूद रहे।
कुल 12 मतों के साथ विश्रामपुर नगर परिषद की उपाध्यक्ष बनी तारा देवी,निवार्ची पदाधिकारी ने सौंपा प्रमाण पत्र अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों के शपथ ग्रहण के पश्चात उपाध्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न करवायी गयी। उपाध्यक्ष के चुनाव में दो अभ्यर्थियों ने भाग लिया जिसमें तारा देवी को कुल 12 मत मिले जबकि इलियास अंसारी को 8।इस तरह निवार्ची पदाधिकारी सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू ने तारा देवी को जीत का प्रमाणपत्र सौंपा।वहीं नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष को अध्यक्ष गीता देवी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई।मौके पर सीओ राकेश तिवारी समेत अन्य उपस्थित रहे।

अवैध संबंध के विरोध में बुजुर्ग की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

मेदिनीनगर : तरहसी थाना क्षेत्र के सेवती गांव में अवैध संबंध के शक को लेकर एक बुजुर्ग की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दिनांक 02 मार्च 2026 की सुबह सूचना मिली कि बंगला किनारे पदमा जाने वाली सड़क के पास कलकटवा जंगल में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान शव की पहचान राजदेव महतो (उम्र करीब 70 वर्ष), पिता स्वर्गीय रामा महतो, निवासी ग्राम सेवती के रूप में की गई।
इस मामले में मृतक की पत्नी दुलारी देवी के लिखित आवेदन के आधार पर तरहसी थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। इस संबंध में तरहसी थाना कांड संख्या 36/2026, दिनांक 02/03/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। कांड दर्ज होने के बाद पलामू के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लेस्लीगंज (पांकी) के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (रक्ळ) का गठन किया गया। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर देवन्ती देवी (पति नरेश महतो, ग्राम सेवती) से पूछताछ की। पूछताछ में देवन्ती देवी ने बताया कि तरहसी निवासी सुरेश राम और सेवती गांव के संतोष महतो उसके घर अक्सर शराब पीने आते थे। मृतक राजदेव महतो को संदेह था कि इन दोनों का देवन्ती देवी के साथ अवैध संबंध है। इसी बात को लेकर राजदेव महतो अक्सर देवन्ती देवी, सुरेश राम और संतोष महतो को गांव में बदनाम करने की धमकी देते थे।
पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि राजदेव महतो रोजाना अपने पशु चराने के लिए कलकटवा जंगल जाते थे और अधिकतर समय बच्चु महतो के भंडार घर के पास ही रहते थे। शराब पीने के बाद मृतक अक्सर बच्चु महतो को भी अपशब्द कहता था, जिससे बच्चु महतो के मन में भी उसके प्रति नाराजगी थी। इसी रंजिश के चलते सुरेश राम, संतोष महतो और बच्चु महतो ने मिलकर हत्या की साजिश रची। पुलिस के अनुसार 27 फरवरी 2026 को दामोदर महतो के बेटे के भोज से बच्चु महतो, राजदेव महतो को अपने कलकटवा जंगल स्थित खपरैल भंडार घर में ले गया, जहां टांगी से वार कर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपियों ने साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को भंडार घर के पास खलिहान में पुआल से ढक दिया और जमीन पर गिरे खून को मिट्टी हटाकर दूसरी मिट्टी से ढक दिया। बाद में 01 मार्च 2026 की रात को तीनों आरोपियों ने शव को खाट पर लादकर जंगल के रास्ते बंगला किनारे पदमा जाने वाली सड़क के पास कलकटवा जंगल में फेंक दिया, ताकि किसी को उन पर शक न हो। देवन्ती देवी के बयान के आधार पर पुलिस ने बच्चु महतो और संतोष महतो को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की, जिसमें दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त टांगी और खेटिया बरामद कर लिया गया है।

तीन दिवसीय बैद्यनाथ महोत्सव में स्थानीय और बॉलीवुड कलाकारों से सजेगा मंच

देवघर : बाबा नगरी देवघर में कला, संस्कृति और भक्ति के संगम 'राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव-2026' की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। इस बाबत जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने जानकारी दी कि स्थानीय केकेएन स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय महोत्सव का भव्य उद्घाटन आज सोमवार, 16 मार्च को अपराह्न 04:00 बजे किया जाएगा। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ देश की समृद्ध लोक कला और संस्कृति को बढ़ावा देना है। आयोजन के तीनों दिन (16, 17 और 18 मार्च) शाम को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी, जिसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ राज्य स्तरीय और बॉलीवुड के नामचीन कलाकार शिरकत करेंगे।
प्रथम दिन (16 मार्च): उद्घाटन के पश्चात शाम 4:30 बजे से पाईका नृत्य की ऊजार्वान प्रस्तुति होगी। इसके बाद धनंजय नारायण खवाड़े ग्रुप, संजीव परिहस्त ग्रुप, हर्षप्रीत कौर एवं ग्रुप और अंत में अजित-मनोज के भक्तिपूर्ण भजनों से शाम सजेगी। द्वितीय दिन (17 मार्च): शास्त्रीय संगीत और गायन को समर्पित इस शाम में जितेन्द्र मंडल ग्रुप, शिवांगी (क्लासिकल सोलो), रेणु खवाड़े और स्वराभ्युदय संगीत गुरूकुल की प्रस्तुतियाँ होंगी। मुख्य आकर्षण 'इंडियन आइडल' फेम पूजा चटर्जी का गायन रहेगा। तृतीय दिन (18 मार्च): अंतिम दिन की शुरूआत संभव कला जत्था द्वारा झूमर नृत्य से होगी। मानसी तिवारी और स्निग्धा यादव की प्रस्तुति में लोक कालाओं की झलकी दिखेगी। बॉलीवुड गायिका मधुबंती बागची अपनी सुरीली आवाज से महोत्सव का भव्य समापन करेंगी। उपायुक्त श्री लकड़ा ने बताया कि इस महोत्सव के माध्यम से पारंपरिक लोक नृत्य विधाओं के प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

विधायक सुखराम उरांव और नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव के प्रयास से चक्रधरपुर में विकास की नई इबारत

रानी तालाब का सौंदर्यीकरण और आधुनिक सुविधाओं पर जोर

ज्योति पाठक

चक्रधरपुरः चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुखराम उरांव एवं नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम अब धरातल पर दिखने लगा है। शहर के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ, कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति दी जा रही है, जो आने वाले समय में चक्रधरपुर की तस्वीर बदल देंगी। शहर की ऐतिहासिक धरोहर 'रानी तालाब' के सौंदर्यीकरण का कार्य प्राथमिकता पर है। इसे एक प्रमुख पर्यटन और सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ नागरिक फुर्सत के पल बिता सकेंगे चक्रधरपुर में निमार्णाधीन नई जेल का कार्य अंतिम चरणों में है। यह न केवल प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है बल्कि इससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अनुमंडल अस्पताल को सभी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। विधायक श्री उरांव के प्रयासों से अब स्थानीय नागरिकों को गंभीर उपचार के लिए बाहर नहीं भटकना पड़ेगा। खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए पोड़ाहाट स्टेडियम में बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। आधुनिक ट्रैक और खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं के साथ यह स्टेडियम राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए तैयार होगा।विधायक सुखराम उरांव ने इस अवसर पर कहा

हमारा लक्ष्य केवल बुनियादी ढांचा खड़ा करना नहीं बल्कि चक्रधरपुर के हर नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है।

वहीं नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव ने प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि -
नगर परिषद प्रशासन और राज्य सरकार के बीच तालमेल बिठाकर विकास की हर योजना को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा।
इन विकास कार्यों से चक्रधरपुर की जनता में हर्ष का माहौल है। स्थानीय बुद्धिजीवियों का मानना है कि जेल, अस्पताल और स्टेडियम जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स से शहर की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। जवाहरलाल नेहरू कॉलेज का भवन का भी निर्माण करोडों रुपये से किया जाएगा। जिससे यहां शिक्षा का स्तर ऊपर उठ सके।